राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण रविवार, 27 फ़रवरी–2022 वर्ष–4,अंक–395 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

भूपेश बोले- भाजपा को बड़े उद्योगपतियों की बातें ही समझ में आती हैं, वो गांव वालों की बात नहीं समझ सकती

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कार्यकारिणी की बैठक पर सीएम भूपेश बघेल ने भाजपा पर बड़ा निशाना साधा। बघेल ने कहा कि भाजपा को ग्रामीणों की बात समझ नहीं आता। उन्हें तो केवल 2-4 उद्योगपतियों की बात समझ आती है। वहीं उन्होंने कहा कि गांवों के बेहतर विकास के लिए हम लगातार वेल्यू एडिशन कर रहे हैं। कई तरह के चावल, कोदो कुटकी सहित कई प्रोसेसिंग यूनिट भी लगाया है। मुख्यमंत्री ने 2 एमओयू को लेकर कहा- गोबर से बिजली बनाने वाली यूनिट की सप्लाई को लेकर एमओयू हुआ है। फल सब्जी ज़्यादा दिन तक रिज़र्व रहे उसको लेकर भी एमओयू किया गया है। यही चीजें हैं जो भाजपा को समझ नहीं आ रही है। चुनाव की तैयारियों को लेकर कहा कि सभी जिलाध्यक्षों के साथ बैठक हुई है। सभी संगठन और जिले के चुनाव को लेकर तैयारी पूरी की गई है।

गुजरात में अपने ही नेताओं पर बरसे राहुल, बोले-एसी में बैठने वाले कौरवों की सूची बनाएं

नेशनल डेस्क। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को गुजरात में अपनी पार्टी के नेताओं से पार्टी में मौजूद उन कौरवों की एक सूची तैयार करने के लिए कहा, जो सिर्फ अपने एसी कार्यालयों में बैठकर बातों के अलावा कुछ नहीं करते और दूसरों को परेशान करने में लगे रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे लोग अंततः भाजपा में चले जाते हैं। गांधी ने केंद्रीय एजेंसियों के इस्तेमाल को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए शनिवार को कहा कि उसके पास केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई), प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), पुलिस और गुंडे हैं, लेकिन अंत में केवल सत्य मायने रखता है। उन्होंने आरोप लगाया कि गुजरात भाजपा की राजनीति के कारण त्रस्त है। राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस के पास राज्य में अगला विधानसभा चुनाव जीतने का एक अवसर है, लेकिन पार्टी लोगों को यह स्पष्ट दृष्टिकोण देने में विफल है कि सत्ता में आने के बाद वह क्या करने का इरादा रखती है। गांधी ने गुजरात कांग्रेस द्वारा आयोजित चिंतन शिविर के दूसरे दिन यहां पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए यह बात कही। चिंतन शिविर का आयोजन इस साल दिसंबर में होने वाले राज्य विधानसभा चुनावों के लिए एक विस्तृत रणनीति तैयार करने पर चर्चा के लिए किया गया है। कार्यक्रम स्थल पर आने से पहले, उन्होंने यहां द्वारकाधीश मंदिर पहुंचकर भगवान कृष्ण की पूजा की। कांग्रेस नेता ने कहा, उनके पास सीबीआई, ईडी, मीडिया, पुलिस, गुंडे और हर दिन के लिये नए-नए परिधान हैं। लेकिन वे चीजें बिल्कुल भी मायने नहीं रखतीं। गुजरात हमें सिखाता है कि सत्य क्या है। गांधी जी को देखिए। क्या उनके पास कभी अच्छे कपड़े थे, ईडी या सीबीआई थी? नहीं, क्योंकि सत्य सदैव साधारण होता है।÷ उन्होंने कहा, ÷कांग्रेस कार्यकर्ताओं को समझना चाहिए कि वे पहले ही गुजरात विधानसभा चुनाव जीत चुके हैं। आप इसे स्वीकार नहीं कर रहे हैं। गुजरात के लोग आपको बड़ी उम्मीदों से देख रहे हैं। भाजपा ने कांग्रेस को जितना नुकसान पहुंचाया है, उससे ज्यादा गुजरात के लोगों को पहुंचाया है। कांग्रेस के पुनरुद्धार और यहां आगामी चुनाव जीतने के लिए एक साहसिक दृष्टिकोण साझा करते हुए ।

पीएम मोदी आज यूपी में करेंगे ताबड़तोड़ रैलियां, इन जगहों पर करेंगे चुनावी जनसभाओं को संबोधित

चुनावी दोड़

नेशनल डेस्क। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और सहयोगी दलों के उम्मीदवारों के समर्थन में बस्ती और देवरिया में रैली को संबोधित करेंगे जबकि वाराणसी में बूथ स्तर के पदाधिकारियों के सम्मेलन को संबोधित करेंगे। प्रदेश भाजपा महामंत्री और रैली प्रभारी अनूप गुप्ता ने शनिवार को एक बयान में बताया कि प्रधानमंत्री रविवार को बस्ती के हथियागढ़ में पॉलिटेक्निक कॉलेज मैदान में बस्ती तथा संत कबीरनगर जिले के विधानसभा क्षेत्रों की संयुक्त रैली को संबोधित करेंगे। इस रैली में अंबेडकरनगर की अकबरपुर, कटेहरी, टांडा, आलापुर और जलालपुर विधानसभा क्षेत्रों में लोग डिजिटलल माध्यम से भी जुड़ेंगे। उन्होंने बताया कि बस्ती की रैली के बाद मोदी देवरिया की रैली में जायेंगे जहां वे सेंट्रल एकेडमी के पास, सोनू घाट पर देवरिया, रामपुर कारखाना, रुद्रपुर, पथरदेवा, भाटपार रानी, सलेमपुर और बरहज एवं गोरखपुर जिले की चौरीचौरा विधानसभाओं की संयुक्त रैली करेंगे। मोदी कुशीनगर, खड्डा, पडरौना, तमकुही राज, फाजिलनगर, हाटा और रामकोला विधानसभा क्षेत्रों के 34 सांगठनिक मंडलों में डिजिटल माध्यम से संबोधित करेंगे। मोदी कुशीनगर, खड्डा, पडरौना, तमकुही राज, फाजिलनगर, हाटा और रामकोला विधानसभा क्षेत्रों के 34 सांगठनिक मंडलों में डिजिटल माध्यम से संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री वाराणसी स्थित संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय में सभी आठ विधानसभा क्षेत्रों के 3361 बूथों के बूथ स्तर पदाधिकारियों, 33 मंडलों और 539 शक्ति केंद्रों के पदाधिकारियों के साथ ही महानगर, जिला, क्षेत्र और प्रदेश स्तर के पदाधिकारियों के सम्मेलन को संबोधित करेंगे।

यक्रेन से लौट रहे छात्रों का खर्चा उठाएंगी राज्य सरकारें, अब तक इन मुख्यमंत्रियों ने किया ऐलान

नेशनल डेस्क। यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद वहां फंसे भारतीय छात्रों और परिवारों को निकालने का काम तेज कर दिया गया है। यूक्रेन से सटे देशों के जरिए भारतीयों को रेस्क्यू किया जा रहा है। रोमानिया में भारतीय राजदूत राहुल श्रीवास्तव ने कहा कि जीवन में जब कभी आप महसूस करें कि चीजें कठिन हो गई है, आगे नहीं बढ़ रही हैं तब आप आज 26 फरवरी का दिन याद करें और सब ठीक हो जाएगा। रोमानिया में भारत के राजदूत श्रीवास्तव ने शनिवार को बुखारेस्ट से मुम्बई के लिये पहले निकासी उड़ान पर सवार होने वाले छात्रों से यह बात कही। इस रेस्क्यू अभियान के बीच देश की विभिन्न राज्य सरकारें छात्रों की मदद के लिए आगे आई हैं। बिहार, राजस्थान केरल समेत कई राज्य सरकारों ने यूक्रेन से लौट रहे छात्रों का खर्च उठाने की घोषणा की है। सबसे पहले बिहार के मुख्यमंत्री ने ऐलान किया कि यूक्रेन से लौट रहे छात्रो का खर्च बिहार सरकार उठाएगी। इसके बाद राजस्थान, केरल और तेलंगाना की सरकारें भी सामने आईं और छात्रों का खर्च उठाने की घोषणा कर दी है। केरल सरकार यूक्रेन से दिल्ली और मुंबई पहुंचने वाले राज्य के छात्रों के लिए केरल के हवाई टिकट का खर्च उठाएगी। मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने शनिवार को यह घोषणा की। केंद्र सरकार द्वारा की गई व्यवस्था के तहत विशेष विमानों के जरिये युद्धग्रस्त यूक्रेन में फंसे भारतीय स्वदेश लौट रहे हैं। विजयन ने फेसबुक पर जारी एक पोस्ट में कहा कि राज्य सरकार ने यूक्रेन से लौटे केरल के लोगों का विवरण एकत्र करने के लिए कदम उठाए हैं। उन्होंने बताया कि दिल्ली में मौजूद केरल रेजिडेंट कमिश्नर और अन्य अधिकारी दिल्ली और विजयन ने कहा, राज्य सरकार यूक्रेन से दिल्ली और मुंबई हवाईअड्डों पर पहुंचने वाले छात्रों को केरल का हवाई टिकट उपलब्ध कराएगी।

यूपी में बीते तीन दशक से केवल हो रही है जाति और धर्म की राजनीति :प्रियंका गांधी

बलरामपुर, । यूपी विधानसभा चुनाव में सभी पार्टियां पूरी ताकत से प्रचार में जुटी हैं। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने शनिवार को उत्तर प्रदेश की निराशाजनक स्थिति के लिए जाति और धर्म की राजनीति को जिम्मेदार ठहराया और कहा कि विकास के केवल बड़े दावे किए गए लेकिन पिछले 30 वर्षों (तीन दशक) से केवल जाति और धर्म की राजनीति हो रही है। कांग्रेस नेता ने पीएम नरेंद्र मोदी पर भी कटाक्ष किया कि वह राज्य के किसानों के सामने आवारा पशुओं की वजह से उत्पन्न समस्या से अनभिज्ञ हैं। उन्होंने भाजपा पर विज्ञापनों पर करोड़ों रुपये खर्च करने का आरोप लगाते हुए कहा कि प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री सब भाजपा के हैं लेकिन यहां विकास के नाम पर कुछ भी नहीं है। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर ऐसी स्थिति क्यों हुई और जवाब दिया कि इसका सीधा जवाब है कि पिछले 30 वर्षों से जाति और धर्म के नाम पर राजनीति हो रही है। उन्होंने कहा, पहले आपने बसपा को आजमाया, फिर सपा और अब भाजपा पिछले पांच सालों से सत्ता में है लेकिन कोई काम नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि सत्ता में आने वाले इन सभी दलों के नेताओं को पता है कि विकास के नाम पर नहीं सिर्फ जाति और धर्म के नाम पर वोट मिलता है, इसलिए वे जाति और धर्म की बात करेंगे और आपकी भावनाओं का शोषण करेंगे तो उन्हें बिना कोई काम किये भी वोट मिल जाएगा। उन्होंने कहा, आपने इसे उनकी (नेताओं की) आदत बना दी है कि काम करने की कोई जरूरत नहीं है। आप भावनात्मक मुद्दों पर आंखें बंद करके मतदान करेंगे, भले ही आपके बच्चे बेरोजगार हों। भाजपा नेताओं पर हमला करते हुए उन्होंने कहा, वे यहां आते हैं और पाकिस्तान, आतंकवाद, जाति और धर्म की बात करते हैं लेकिन कोई आपके बारे में बात नहीं करता है। आवारा पशुओं की समस्या का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि उन्होंने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर इस मुद्दे को हल करने के लिए सुझाव दिया था कि छत्तीसगढ़ मॉडल यहां लागू किया जा सकता है लेकिन कोई जवाब नहीं आया। उन्होंने तंज करते हुए कहा, पिछले हफ्ते प्रधानमंत्री ने कहा था कि उन्हें आवारा मवेशियों की समस्या के बारे में नहीं पता है जो पिछले पांच सालों से जारी है। उन्होंने आरोप लगाया कि गरीबों को जानबूझकर गरीब रखा जा रहा है क्योंकि जो नीतियां अपनाई जा रही हैं वे अमीरों के लिए हैं। वाड्रा ने अपनी पार्टी के वादों पर यह कहते हुए विस्तार से बताया कि कांग्रेस के पास विकास के लिए दृष्टि है और लोगों से विवेकपूर्ण और जिम्मेदारी से मतदान करने के लिए कहा।

डोडा जिले के ग्रामीणों के चेहरे पर मुस्कान लेकर आया है ऑपरेशन सद्भावना

जम्मू । जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले के बर्फ से ढके खाई गांव के लोग दशकों से पानी की कमी से जूझ रहे थे और उनके लिये पीने के पानी का कनेक्शन किसी सपने से कम नहीं था, लेकिन अब घरों तक पेयजल की आपूर्ति उपलब्ध कराने के लिये ग्रामीण सेना का आभार जताते नहीं थक रहे हैं। सेना ने ऑपरेशन सद्भावना के तहत सुदूर पर्वतीय गांव में पानी की आपूर्ति करा कर स्थानीय लोगों, विशेषकर उन महिलाओं की समस्याओं को समाधान कर दिया है जिन्हें पीने का पानी लाने के लिए मीलों पैदल चलना पड़ता था। जम्मू स्थित रक्षा जनसंपर्क अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल देवेंद्र आनंद ने बताया, खाई गांव गंडोह के दूर-दराज के इलाके में स्थित है और सेना की स्थानीय इकाई ने लोगों की दुर्दशा को देखते हुए गांव में जलापूर्ति की जिम्मेदारी संभाली। आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर ऑपरेशन सद्भावना परियोजना की एक छोटी वीडियो क्लिप भी साझा करने वाले आनंद ने कहा कि सेना लोगों तक पहुंचने और उनकी समस्याओं को कम करने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा, ÷सेना ने पहल की और पानी के भंडारण टैंक और पाइप सहित आवश्यक सामग्री मुहैय करायी गयी।

लद्दाख में कोविड-19 के 24 नये मामले

लेह । लद्दाख में कोविड-19 के 24 नये मामले सामने आए जिसके बाद यहां कोरोना वायरस के कुल संक्रमितों की संख्या बढ़कर 27,971 हो गयी। बीते 24 घंटे में संक्रमण से किसी मरीज की मौत नहीं होने से मृतकों की तादाद 228 पर स्थिर रही। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक लद्दाख में कोविड-19 के उपचाराधीन मरीजों की संख्या 230 हो गयी है। लद्दाख में अब तक कोविड-19 से 228 लोगों की मौत हो चुकी है, जिसमें से 168 मरीजों की लेह में जबकि 60 मरीजों की मौत करगिल जिले में हुई । अधिकारियों के अनुसार संक्रमण के सभी नये मामले लेह में सामने आए। करगिल जिले में कोविड-19 के उपचाराधीन मरीजों की संख्या पांच बनी हुई है। अधिकारियों ने बताया कि लद्दाख में 42 और मरीज संक्रमण मुक्त हुए और उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। इन्हें मिला कर केन्द्र शासित प्रदेश में संक्रमण से उबरने वाले मरीजों की संख्या बढ़कर 27,513 हो गयी।

बौद्धिक संपदा अधिकार विवाद निजी लग सकते हैं, पर इसमें जनहित का तत्व शामिल : जस्टिस डीएन पटेल

नई दिल्ली । दिल्ली हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश डीएन पटेल ने शनिवार को कहा कि बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) के विवाद प्रकृति में निजी लग सकते हैं, लेकिन उनमें जनहित भी शामिल होता है। भारत में आईपीआर विवादों के अधिनिर्णय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी÷ में स्वागत भाषण देते हुए, न्यायमूर्ति पटेल ने कहा कि बौद्धिक संपदा के संरक्षण में न केवल व्यावसायिक अवसर शामिल होते हैं, बल्कि निर्माता की मानसिक संतुष्टि की भावना भी शामिल होती है। उन्होंने कहा, आईपीआर एक साधारण विषय नहीं है, यह क्षेत्र निस्संदेह जटिल है, जिसकी कोई भौगोलिक सीमा नहीं है। निस्संदेह, बौद्धिक संपदा से संबंधित विवाद प्रकृति में निजी लग सकते हैं, लेकिन वास्तव में, ज्यादातर मामलों में उनमें सार्वजनिक हित के तत्व भी शामिल होते हैं। इस संगोष्ठी में भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) एन वी रमण मुख्य अतिथि थे, जबकि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण विशिष्ट अतिथि थीं। इस अवसर पर उच्चतम न्यायालय, दिल्ली उच्च न्यायालय, विभिन्न उच्च न्यायालयों और जिला न्यायालयों के न्यायाधीश, अधिवक्ता और नौकरशाह भी उपस्थित थे। न्यायमूर्ति पटेल ने कहा कि देश की राजधानी होने के नाते दिल्ली हमेशा आईपीआर मामलों का केंद्र रही है और आंकड़े बताते हैं कि वर्ष 2000 से अब तक लगभग 11,000 आईपीआर मामले दायर किए गए हैं और उनमें से लगभग 90 प्रतिशत का अब तक निपटारा किया जा चुका है। इस मुद्दे पर एक तथ्यात्मक पृष्ठभूमि देते हुए, न्यायमूर्ति पटेल ने कहा कि बौद्धिक संपदा अपीलीय बोर्ड (आईपीएबी) को समाप्त कर दिया गया था और अंततः, ट्रिब्यूनल रिफॉर्म्स एक्ट, 2021 लागू हुआ, जिसने उच्च न्यायालयों को इस विषय से उत्पन्न होने वाली अपीलों को सुनने का अधिकार दिया। न्यायमूर्ति प्रतिभा एम. सिंह ने विज़न ऑफ़ आईपी डिवीजन÷ पर शुरुआती टिप्पणी करते हुए कहा कि हालिया प्रवृत्ति ट्रेडमार्क और कॉपीराइट मामलों में वृद्धि दर्शाती है ।

सीजेआई बोलेः मजबूत न्यायिक व्यवस्था के लिए केवल धन आवंटन से नहीं चलेगा काम, मैं वैधानिक...

नई दिल्ली। भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) एन वी रमण ने शनिवार को देश में आधारभूत न्यायिक ढांचे के बुनियादी न्यूनतम मानकों की कमी पर अफसोस जताया तथा बौद्धिक सम्पदा से संबंधित मुकदमों के प्रभावी निस्तारण के लिए उच्च न्यायालयों में न केवल न्यायाधीशों के रिक्त पदों को भरने, बल्कि इनकी संख्या बढ़ाने की आवश्यकता पर भी बल दिया। सीजेआई दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा यहां आयोजित ''भारत में आईपीआर विवादों के अधिनिर्णय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के तौर पर बोल रहे थे। इस संगोष्ठी में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और देश के विभिन्न न्यायालयों के अनेक न्यायाधीश मौजूद थे। उन्होंने कहा, ÷बुनियादी न्यायिक ढांचे में सुधार की जरूरत है। दुर्भाग्य से, हम इस क्षेत्र में बुनियादी न्यूनतम मानकों को भी पूरा नहीं कर रहे हैं। भारत के मुख्य न्यायाधीश का पद संभालने के बाद से मेरा प्रयास रहा है कि बुनियादी न्यायिक ढांचे में सुधार के समन्वय और निगरानी के लिए एक संस्थागत तंत्र स्थापित किया जाए।

न्यायमूर्ति रमण ने कहा, ''केवल राशि का आवंटन ही काफी नहीं है, बल्कि उपलब्ध संसाधनों का महत्तम दोहन एक चुनौती है। मैं केंद्र और राज्यों के स्तर पर विधिक प्राधिकरण स्थापित करने के लिए सरकार से आग्रह करता रहा हूं। मैं उम्मीद करता हूं कि इस दिशा में यथाशीघ्र सकारात्मक प्रतिक्रिया प्राप्त होगी। उन्होंने दूसरे देशों के निवेशकों को भी पहले दिया अपना संदेश दोहराया कि भारतीय न्यायिक प्रणाली निवेशकों के अनुकूल है और सभी को न्याय प्रदान करने के लिए बिल्कुल स्वतंत्र है। उन्होंने कहा, जब मैं बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) पर एक सम्मेलन में भाग लेने 2016 में जापान गया था । तो मुझसे उद्यमियों ने बार-बार पूछा था कि भारतीय न्यायिक प्रणाली कितनी निवेशक अनुकूल है।

रूस-यूक्रेन युद्ध से भारत में भी बढ़ेगी महंगाई, वैश्विक स्तर पर खाद्य तेलों और कच्चे तेल के दामों में रिकार्ड बढ़ोतरी

नई दिल्ली । रूस और यूक्रेन के के बीच छिड़ी जें ग का असर भारत समेत कई देशों में दिखाई दे रहा है। इस युद्ध के कारण देश में महंगाई बढ़ने लगी है। इसके अलावा भारत का बड़े पैमाने पर यूक्रेन के साथ व्यापार होता है, इस व्यापार पर भी युद्ध से इसर पड़ेगा। इस लड़ाई के कारण विश्व बाजार में कच्चे तेल के दामों में प्रति बैरल रिकॉर्ड बढ़ोत्तरी हुई है। रूस यूक्रेन संघर्ष के कारण भारत में सनफ्लावर तेल की कीमत में इजाफा हो गया है। बता दें, यूक्रेन दुनिया का सबसे बड़ा सनफ्लावर उत्पादक देश है। युद्ध के हालात में सनफ्लावर ऑयल की कीमतें तेजी से बढ़ गयी है। भारत के बाजारों में अभी से इस तेल की कीमतों में उछाल आ गया है। रूस यूक्रेन युद्ध के कारण विश्व बाजार में क्रूड ऑयल के दाम काफी बढ़ गए थे। प्रति बैरल कच्चे तेल के दाम 100 डॉलर से ज्यादा हो गए थे। हालांकि, आज इंटरनेशनल मार्केट में क्रूड ऑयल के दाम नीचे आए हैं। ब्रेंट क्रूड ऑयल की कीमत में आज 97.93 डॉलर प्रति बैरल हो गई है। इसकी प्रबल संभावना है कि अगर लड़ाई लंबी खिंचती है तो तेल के दाम में इजाफा होगा। किन चीजों का होता है व्यापारः भारत यूक्रेन से सनफ्लावर ऑयल, लोहा, स्टील, प्लास्टिक, केमिकल्स, इनॉर्गेनिक केमिकल्स, वेजिटेबल फैट एंड ऑयल समेत कई और सामान खरीदता है। तो तेल के दाम में इजाफा होगा। किन चीजों का होता है व्यापारः भारत यूक्रेन से सनफ्लावर ऑयल, लोहा, स्टील, प्लास्टिक, केमिकल्स, इनॉर्गेनिक केमिकल्स, वेजिटेबल फैट एंड ऑयल समेत कई और सामान खरीदता है। हालांकि, आज इंटरनेशनल मार्केट में क्रूड ऑयल के दाम नीचे आए हैं। ब्रेंट क्रूड ऑयल की कीमत में आज 97.93 डॉलर प्रति बैरल हो गई है। इसकी प्रबल संभावना है कि अगर लड़ाई लंबी खिंचती है तो तेल के दाम में इजाफा होगा। किन चीजों का होता है व्यापारः भारत यूक्रेन से सनफ्लावर ऑयल, लोहा, स्टील, प्लास्टिक, केमिकल्स, इनॉर्गेनिक केमिकल्स, वेजिटेबल फैट एंड ऑयल समेत कई और सामान खरीदता है। लेकिन यूक्रेन के साथ जारी लड़ाई के कारण वे अभी व्यापार बंद हैं। ऐसे में इन चीजों की सप्लाई प्रभावित होने से कीमतों में बढ़ोतरी होना भी तय माना जा रहा है। इसके अलावा भारत यूक्रेन को बड़े पैमाने पर दवा, बॉयलर मशीन, तिलहन, फल, कॉफी, चाय, मसाले समेत कई और वस्तुओं की सप्लाई करता है। अकेले गाजियाबाद की करीब 80 से 100 ऐसी फैक्ट्री है, जिसका सीधा व्यापार यूक्रेन से होता है। युद्ध के कारण कुछ भी इंपोर्ट-एक्सपोर्ट नहीं हो पा रहा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुविचार

लगन का अर्थ उन्नीस बार विफल होने के बाद 20वी बार सफल होना - जे. एंड्रयूज

संपादकीय

भारत के शांति प्रयास

यूक्रेन की राजधानी कीव और अन्य इलाकों से सुनाई देने वाले धमाकों की आवाज लगातार तेज होती जा रही है। जब रूस की लगातार बढ़ती आक्रामकता के बीच शांति का कोई रास्ता नजर नहीं आ रहा था, तब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से बात की। समस्या युद्ध के बजाय बातचीत और राजनय से सुलझाई जाए, यह भारत का पुराना स्टैंड है, जिसे भारत ने कुछ दिनों पहले संयुक्त राष्ट्र में भी व्यक्त किया था। प्रधानमंत्री ने इसी पक्ष को रूसी राष्ट्रपति पुतिन के सामने भी दोहराया है। भारत सरकार की तरफ से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी कहा है कि रूस और नाटो के बीच जो मतभेद हैं, उन्हें पूरी ईमानदारी और गंभीरता के साथ की गई वार्ता के जरिये सुलझाया जा सकता है। इसका अर्थ है कि भारत सिर्फ इस मामले को रूस बनाम यूक्रेन के रूप में ही नहीं देख रहा, बल्कि उस व्यापक कारण को भी खत्म करना चाहता है, जो इस युद्ध की जड़ में हैं। हालांकि, इसे लेकर यूक्रेन जरूर थोड़ा निराश हुआ है। दिल्ली में यूक्रेन के राजदूत इगोर पोलिखा ने यह निराशा खुलकर व्यक्त भी की है। उनका कहना है कि भारत चाहे, तो यह युद्ध रुकवा सकता है। इसे हमें इस रूप में भी देखना चाहिए कि पूर्वी यूरोप के ताजा विवाद में भारत से कितनी उम्मीदें बांधी जा रही हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने भी कहा है कि उनका देश समस्या को लेकर भारत के संपर्क में है। उधर यूरोपीय संघ के विदेश मामलों के सचिव ने भी इसे लेकर भारतीय विदेश मंत्री से बात की है। युद्ध की इस समस्या के बीच भारत अपनी एक दूसरी परेशानी को दूर करने में लगा है। इसके 20 हजार से ज्यादा छात्र इस समय युद्धग्रस्त यूक्रेन में फंसे हुए हैं। एयरस्पेस बंद होने के कारण इन भारतीयों को विमान के जरिये वहां से निकालना संभव नहीं हो पा रहा। कोशिश यह चल रही है कि इन छात्रों को जमीनी रास्ते से वहां से निकाला जाए। यह तभी हो सकता है जब यूक्रेन और रूस, दोनों ही इसके लिए भारत से सहयोग करें। इस मामले पर भी प्रधानमंत्री मोदी ने पुतिन से बात की है और वहां से उन्हें सहयोग का आश्वासन भी मिला है। इस बातचीत के बाद रक्षा मामलों की कैबिनेट कमेटी में भी इन छात्रों को वहां से लाने को प्राथमिकता देने की बात की गई है। इस युद्ध में भारत से जो उम्मीद बांधी गई है, उसने कुछ धर्मसंकट भी खड़े किए हैं। भारत एक ऐसा देश है, जिसके अमेरिका से भी अच्छे संबंध हैं, रूस से भी और यहां तक कि यूक्रेन से भी। जब ऐसे हालात हों, तो आप किसी एक का पक्ष नहीं ले सकते। फिर जिन कारणों से इस युद्ध की नौबत आई है, वे हमारे नियंत्रण में नहीं हैं। यह तर्क दिया जा सकता है कि रूस ने यूक्रेन की संप्रभुता का उल्लंघन किया है, इसलिए हमें उसका विरोध करना चाहिए। लेकिन इराक, ईरान, यूगोस्लाविया, लीबिया वगैरह में ऐसे बहुत से मौके आ चुके हैं, जब अमेरिका ने इनकी संप्रभुता का उल्लंघन किया था। फिर यह मामला अब उस मोड़ पर पहुंच चुका है, जहां सिर्फ नैतिक स्टैंड लेकर कुछ हासिल कर पाना संभव नहीं है। इसलिए यहां मध्यस्थ की एक सीमित भूमिका की ही गुंजाइश बचती है। फिलहाल भारत इसी की कोशिश कर रहा है। भारत और इसके जैसे अन्य उदार देश यदि अब भी कोई शांतिपूर्ण समाधान निकाल सकें, तो दुनिया के लिए बड़ी बात होगी।

लोकतंत्र के लिए घातक जुमलों की राजनीति

विश्वनाथ सचदेव

चुनाव तो देश के पांच राज्यों में हो रहे हैं, पर निगाहें सब की उत्तर प्रदेश पर हैं। सबसे बड़ा राज्य है यह प्रदेश। मतदान का सात चरणों में होना ही यह बताने के लिए पर्याप्त है कि दांव पर बहुत कुछ लगा है। इन चुनावों को आगामी आम चुनाव के 'सेमीफाइनल' के रूप में देखा जा रहा है और उत्तर प्रदेश के परिणाम आम चुनावों को काफी हद तक प्रभावित करेंगे। इसी को देखते हुए सभी राजनीतिक दल हर संभव प्रयास कर रहे हैं, पर भारतीय जनता पार्टी ने तो जैसे सारी ताकत ही झोंक दी है। प्रधानमंत्री समेत केंद्रीय मंत्रिमंडल के लगभग सारे सदस्य उत्तर प्रदेश में चुनाव प्रचार में लगे हुए हैं। वैसे भी, भाजपा पंचायत से लेकर लोकसभा तक के चुनावों को पूरी गम्भीरता से लेती रही है, पर इस बार यह गम्भीरता कुछ ज़्यादा ही है। यूं तो पश्चिम बंगाल के चुनाव में भी भाजपा ने कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी थी, पर उत्तर प्रदेश में किसी भी कीमत पर चुनाव जीतना उसे कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण लग रहा है। राज्य में चार चरणों का मतदान हो चुका है, तीन चरण बाकी हैं। इस दौरान चुनाव प्रचार में भाजपा ने हर चरण में अपनी रणनीति बदली है। जहां बाकी राजनीतिक दल महंगाई, बेरोज़गारी, नारी-शक्ति जैसे बुनियादी मुद्दों को उछाल रहे हैं, भाजपा हर बार नये नारों के साथ मैदान में उतर रही है। मुख्य मुकाबला भाजपा और समाजवादी पार्टी के नेतृत्व वाले गठबंधनों के बीच है। यहां भी भाजपा लगातार नारे बदल रही है। ऊपरी तौर पर भले ही कानून-व्यवस्था और विकास को मुद्दा बताया जा रहा हो, पर हिंदू-मुस्लिम, मंदिर-मस्जिद, दिवाली-ईद के सहारे ध्रुवीकरण की कोई कोशिश छोड़ी नहीं जा रही है। ऐसी ही एक और कोशिश का अवसर आतंकवादियों के खिलाफ न्यायालय के एक निर्णय ने भाजपा को दे दिया है। आतंकवाद की हर स्तर पर भर्त्सना होनी ही चाहिए, पर जिस तरह स्वयं प्रधानमंत्री ने आतंकवाद को साइकिल से जोड़ा है उसे देख कर तो यही लगता है कि अब तक के उठाये मुद्दे भाजपा को कमज़ोर लगने लगे हैं। ज्ञातव्य है कि आतंकवाद से जुड़े जिस कांड को लेकर न्यायालय ने सबसे बड़ा निर्णय सुनाया है उसमें साइकिलों पर विस्फोटक रख कर धमाके किये गये थे। प्रधानमंत्री ने उन साइकिलों को समाजवादी पार्टी के चुनाव-चिह्न साइकिल से जोड़कर अखिलेश यादव की पार्टी पर हल्ला बोला है। आतंकवाद के कुछ आरोपियों के सपा से कथित रिश्तों को लेकर सवाल उठते रहे हैं, पर इसके आधार पर 'साइकिल' को ही आतंकवाद की पहचान बताना हास्यास्पद ही लगता है। 'लालटोपी' को खतरे की घंटी बताना भी वैसा ही जुमला है जैसे पश्चिम बंगाल में 'दीदी, ओ दीदी' वाला जुमला था। इस तरह के प्रयास कहीं न कहीं यही संकेत देते हैं कि हमारे राजनेता गम्भीर मुद्दों से बचने की कोशिश करते हैं। महंगाई, बेरोज़गारी, शिक्षा, चिकित्सा जैसे मुद्दे निश्चित रूप से गम्भीर हैं, और इन्हें किसी भी चुनाव का मुद्दा बनना ही चाहिए। गरीबी भी ऐसा ही एक मुद्दा है। यह सही है कि आज से पचास साल पहले की वह स्थिति नहीं है जब 'गरीबी हटाओ' के नारे पर चुनाव जीता गया था, पर देश का आम आदमी आज भी गरीबी की मार झेल रहा है। कोरोना काल में देश के अस्सी करोड़ लोगों को सरकार ने मुफ्त अनाज देकर गरीबी का मुकाबला किया था। इस योजना को भले ही चुनावी उद्देश्यों से मार्च के महीने तक खींचा गया हो, पर यह एक ज़रूरी और प्रशंसनीय कार्रवाई थी। लेकिन, सवाल तो यह भी उठता ही है कि देश की अस्सी करोड़ जनता की आर्थिक स्थिति इतनी खराब कैसे हो गयी कि विकास के सारे दावों के बावजूद उसे खैरात का अनाज लेने की स्थिति में जीना पड़ रहा है? जहां आबादी के इतने बड़े हिस्से को ज़रूरत के लिए मुफ्त अनाज पहुंचाना एक प्रशंसनीय कार्रवाई है, वहीं इस आबादी का मुफ्त अनाज पर निर्भर रहने की स्थिति में होना विकास के हमारे दावों का खोखलापन ही उजागर करता है। यह गम्भीर स्थिति है और हमारे नेतृत्व को इस बारे में सोचना ही चाहिए। शानदार राज-मार्ग, ऊंची-ऊंची मूर्तियां, भव्य पूजा-स्थल आदि सब की अपनी महत्ता है, पर बुनियादी आवश्यकता 130 करोड़ जनता की भूख मिटाना है, उसे सही और उचित शिक्षा देनी है, उसके स्वास्थ्य की चिंता करनी है, युवाओं के समुचित रोजगार की व्यवस्था करनी है। विपक्ष का दायित्व है कि वह इस संदर्भ में सवाल उठाये और सत्ताधारी दलों को इन सवालों का माकूल जवाब देना होता है। पांच राज्यों में हो रहे इन चुनावों में, खासकर उत्तर प्रदेश के चुनाव में सत्ताधारी पक्ष इन सवालों से बचने की कोशिश करता दिखाई दे रहा है। इसीलिए, उसके प्रचारक घूम-फिरकर जिन्ना, पाकिस्तान, आतंकवाद का सहारा लेने लगते हैं।

आज़ादी के 75वें साल और 'अमृत-काल' में बुनियादी मुद्दों की बात होनी चाहिए थी, पर हम 'साइकिल' को आतंकवादी साबित करने में लगे हुए हैं। किसी का आतंकवाद के कार्यों में लिप्त होना निश्चित रूप से गम्भीर अपराध है, इसकी उचित सज़ा मिलनी ही चाहिए। लेकिन किसी आतंकवादी का पिता या भाई होना अपराध क्यों माना जा रहा है? सही है कि हम अपेक्षा करते हैं कि परिवार के वरिष्ठ जन युवाओं को गलत मार्ग पर चलने से रोकें, पर इस बारे में उनकी कथित विफलता अपराध कैसे हो सकती है? जनतांत्रिक व्यवस्था में चुनाव एक पवित्र अनुष्ठान होते हैं। नागरिक और राजनेता दोनों के लिए एक अवसर होते हैं अपने भीतर झांकने का। पर हमने चुनाव का मतलब एक-दूसरे पर कीचड़ उछालना मात्र मान लिया है। ज़रूरी है कि चुनाव प्रचार के दौरान राजनीतिक दल और राजनेता अपना पक्ष मतदाता के सामने रखें। अपनी उपलब्धियां बतायें, अपनी योजनाएं प्रस्तुत करें। पर हमारे नेता क्या कर रहे हैं? हमारे नेता गन्ना बनाम जिन्ना में हमें उलझाने में लगे हैं। हां, गन्ना इस देश का मुद्दा है, पर जिन्ना नहीं। स्कूलों में हिजाब पहना जाये या नहीं, इस पर विचार-विमर्श हो सकता है, पर जब हिजाब के मुकाबले भगवा दुपट्टा खड़ा किया जाता है तो ऐसा करने वालों के उद्देश्य शक के घेरे में आते हैं। यह धर्म के नाम पर भारतीय समाज को बांटने की कोशिश ही हो सकती है। और खतरनाक है यह कोशिश। इस खतरे को पहचानना-समझना ज़रूरी है। न इसकी अवहेलना हो सकती है और न ही इसका मज़ाक उड़ाया जा सकता है। धर्म और जाति के नाम पर समाज को बांट कर अपना स्वार्थ साधने की किसी भी कोशिश को किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता। ऐसी हर कोशिश की घोर भर्त्सना होनी चाहिए। जुमलों से चुनाव जीतने की कोशिश भी इतनी ही भर्त्सना-योग्य है। हमारे राजनेताओं को जुमले उछालने की आदत होती जा रही है। ये जुमले जनतंत्र के लिए खतरनाक होते हैं, यह बात हमारे नेताओं को भी समझनी है और मतदाता को भी।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

चिकित्सा पद्धति की अंतर्राष्ट्रीय स्वीकार्यता

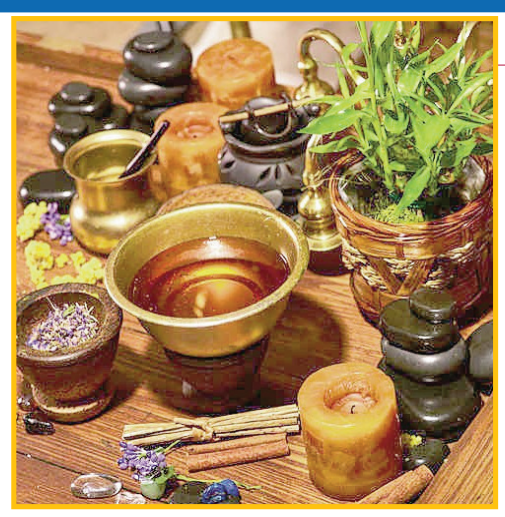

रघुवीर चारण

आज भारतीय चिकित्सा पद्धति आयुर्वेद की स्वीकार्यता अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ी है। हाल ही में केन्या के पूर्व प्रधानमंत्री ओडिंगा अपनी बेटी के उपचार के लिए भारत यात्रा पर आए। उनकी बेटी का आंखों का उपचार केरल में आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति से हुआ। उपचार के तीन सप्ताह में सुखद परिणाम मिले। इससे प्रभावित होकर उन्होंने भारतीय प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त किया। उन्होंने अपने देश में आयुर्वेद चिकित्सा के प्रसार का वादा किया। अब आयुर्वेद का विस्तार ग्लोबल स्तर पर हो गया है। हमारे पड़ोसी देशों के साथ-साथ ही आयुर्वेद की पहुंच यूरोपियन यूनियन के देशों रोमानिया, हंगरी, सर्बिया, स्लोवेनिया तक हुई है। अभी तक लगभग सोलह देशों में आयुर्वेद चिकित्सा को रेगुलेट किया गया है। इसके साथ ही विश्व स्वास्थ्य संगठन ने पहले ग्लोबल सेंटर ऑफ ट्रेडिशनल मेडिसिन की स्थापना दिल्ली में की है। जिस चिकित्सा पद्धति को अंग्रेज औपनिवेशिक काल में अवैज्ञानिक और अंधविश्वासी करार दिया था, आज उसी आयुर्वेद की दुनिया मुरीद हुई है। चिकित्सा विज्ञान की नई उम्मीद की किरण बना है आयुर्वेद। एक रिपोर्ट के मुताबिक, देश में आयुर्वेदिक दवाइयों का सालाना कारोबार 10 हजार करोड़ रुपये का है, जबकि एक हजार करोड़ रुपये की आयुर्वेदिक दवाइयां निर्यात की जाती हैं। अगर सभी आयुर्वेदिक उत्पादों की बात करें तो 2018 में इसका सालाना कारोबार 30 हजार करोड़ रुपये था, जो 2024 तक 71 हजार करोड़ रुपये का हो सकता है। पिछले एक साल में इसमें काफी तेजी आई है। दरअसल, आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति नहीं अपने आप में एक सम्पूर्ण विज्ञान है। 'आयुर्वेद' शब्द का अर्थ है 'जीवन का विज्ञान'। साधारण भाषा में कहें तो जीवन को ठीक प्रकार से जीने का विज्ञान ही आयुर्वेद है। यह विज्ञान केवल रोगों की चिकित्सा या रोगों का ही ज्ञान प्रदान नहीं कराता, अपितु जीवन जीने के लिए सभी प्रकार के आवश्यक ज्ञान प्रदान कराता है। आयुर्वेद के दो मुख्य प्रयोजन हैं। आयुर्वेद का प्रयोजन स्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य की रक्षा करना और रोगी व्यक्ति के रोग को दूर करना है। हमारी दिनचर्या, ऋतुचर्या, आहार-विहार अगर समुचित हों तो हम तमाम रोगों से दूर रहकर अपने जीवन को उज्ज्वल और दीर्घायु बना सकते हैं। आयुर्वेद में आहार ही मेडिसिन है, यदि हम भोजन का सेवन विधिपूर्वक करेंगे तो कभी भी अस्वस्थ नहीं होंगे। आयुर्वेद चिकित्सा का प्रकृति पर आधारित होना इसकी सबसे बड़ी महत्ता है। देश में पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियां आयुष मंत्रालय के अधीन हैं। इसकी स्थापना वर्ष 2014 में हुई थी। इसके अंतर्गत आयुर्वेद, यूनानी, सिद्धा, होमियोपैथी, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा शामिल हैं। पिछले साल आयुष विभाग को 2600 करोड़ का बजट आवंटित हुआ था। वित्तवर्ष 2022 में इसको बढ़ा कर 3054 करोड़ किया गया यानी चार सौ करोड़ ज्यादा मिला, जिसमें सबसे ज्यादा 358 करोड़ आयुर्वेद चिकित्सा में रिसर्च व अनुसंधान के लिए प्रदान हुए। इसके साथ ही राष्ट्रीय आयुष मिशन का पांच साल के लिए विस्तार कर दिया। इस मिशन पर कुल 4607 करोड़ रुपये खर्च किये जायेंगे। अगले वर्ष तक पूरे देश में 12500 हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर का निर्माण किया जाएगा। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण स्तर पर आयुर्वेद का प्रसार करना तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों से संपूर्ण उपचार को बढ़ावा देना है। प्रत्येक चिकित्सा पद्धति के अपने मूल सिद्धांत होते हैं। उसी प्रकार आयुर्वेद चिकित्सा के अपने सिद्धांत हैं। इसमें निदान परिवर्जन अर्थात रोग के कारण का त्याग या शमन किया जाता है, जिससे व्याधि को समूल नष्ट किया जाता है। इसकी तुलना हमें आधुनिक चिकित्सा विज्ञान से नहीं करनी चाहिए। जब पूरी दुनिया कोरोना महामारी से ग्रसित थी, उस समय आयुर्वेदिक औषधियों ने हमारी इम्यूनिटी बूस्ट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आयुर्वेद उपचार से मरीजों को रिकवरी भी शीघ्र मिली। योग की तरह आयुर्वेद को भी विश्वपटल पर पहुंचाने के लिए पहले हमें इसे अपनाना होगा। इसको मुख्यधारा में लाना चाहिए न कि वैकल्पिक चिकित्सा के रूप में प्रयोग करना चाहिए। क्योंकि यह हमारे देश की धरोहर है। हम भारतीयों पर पश्चिमी संस्कृति का प्रभाव हमेशा हावी रहा है। अब तक भले ही चिकित्सा विज्ञान, भाषा, या जीवनशैली जैसे सारे क्षेत्रों में असर पड़ा हो, लेकिन अब 21वीं सदी का भारत आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है। आने वाला समय आयुर्वेद का है इसलिए हमें अपनी चिकित्सा पद्धति में भी आत्मनिर्भर बनने की जरूरत है।

आज के कार्टुन

भारतीय संस्कृति

श्रीराम शर्मा आचार्य

भारतीय संस्कृति सबके लिए सभी भांति विकास का अवसर देती है। यह अति उदार संस्कृति है। विश्व में अन्य कोई धर्म संस्कृति में ऐसा प्रावधान नहीं है। उनमें एक ही इष्टदेव और एक ही तरह के नियम को मानने की परंपरा है। इसका उल्लंघन कोई नहीं कर सकता। करता है तो दंडनीय होगा। एक उद्यान में कई तरह के पौधे और फूल उगते हैं। इस भिन्नता से बगीचे की शोभा बढ़ती है। यही बात विचार उद्यान के संदर्भ में स्वीकार की जा सकती है। इस दृष्टिकोण के कारण नास्तिकवादी लोगों के लिए भी भारतीय संस्कृति का अंग बने रहने की छूट है, जबकि उनके लिए धर्मो के द्वार बंद हैं। भारतीय संस्कृति की दूसरी विशेषता है। कर्मफल की मान्यता। पुनर्जन्म के सिद्धांत में जीवन को अवांछनीय माना गया है और मरण की उपमा वस्त्र परिवर्तन से की गई है। मनुष्य की चतुरता अद्भुत है। वह सामाजिक विरोध और राजदंड से बचने के अनेक हथकंडे अपनाकर कुकर्मरत रह सकता है। ऐसी दशा में किसी सर्वज्ञ सर्व समर्थ सत्ता की कर्मफल व्यवस्था का अंकुश ही उसे सदाचरण की मर्यादा में बांधे रह सकता है। परलोक की, स्वर्ग नरक की, पुनर्जन्म की मान्यता यह समझाती है कि आज नहीं तो कल, इस जन्म में नहीं तो अगले जन्म में कर्म का फल भोगना पड़ेगा। इसी प्रकार जिन्हें सत्कर्मो के सत्परिणाम नहीं मिल सके हैं, उन्हें भी निराश होने की आवश्यकता नहीं है। संचित, प्रारब्ध और क्रियमाण कर्म समयानुसार फल देते रहते हैं। इस मान्यता को अपनाने वाला न तो निर्भय होकर दुष्कर्मो पर उतारू हो सकता है और न सत्कर्मो की उपलब्धियों से निराश। अन्य धर्म जहां अमुक मत का अवलंबन अथवा अमुक प्रथा प्रक्रिया अपना लेने मात्र से ईश्वर की प्रसन्नता और अनुग्रह की बात कहते हैं, वहां भारतीय धर्म में कर्मफल की मान्यता को प्रधानता दी गई है। भारतीय संस्कृति ऋषि संस्कृति है, देव संस्कृति है यह कहते हुए हमें गर्व होता है तो आवश्यकता इस बात की भी है कि हम अपनी वर्तमान मान्यताओं को विकृतियों के दलदल से निकालें और प्राचीन काल जैसी उच्च स्थिति में पहुंचाएं। मानवी उत्कर्ष हेतु देव मानव फिर उसी रूप में पुनः अपनी भूमिका निभाने आगे आ सकते हैं, जैसा कि कभी सतयुग में रहा होगा।

सू-दोकू नवताल - 2055

8				9			3	
	1	4	5					6
2		5		1		9		
	8				7			
5	6			3			9	8
			9				2	
		7		6		3		2
3					5	8	6	
	9			2				7

सू-दोकू -2054 का हल

5	7	4	1	3	9	6	2	8
2	8	9	6	5	7	1	4	3
3	6	1	2	8	4	5	7	9
9	3	7	8	1	6	4	5	2
6	5	8	4	9	2	3	1	7
1	4	2	5	7	3	8	9	6
7	9	6	3	4	1	2	8	5
4	2	5	9	6	8	7	3	1
8	1	3	7	2	5	9	6	4

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली- 2055

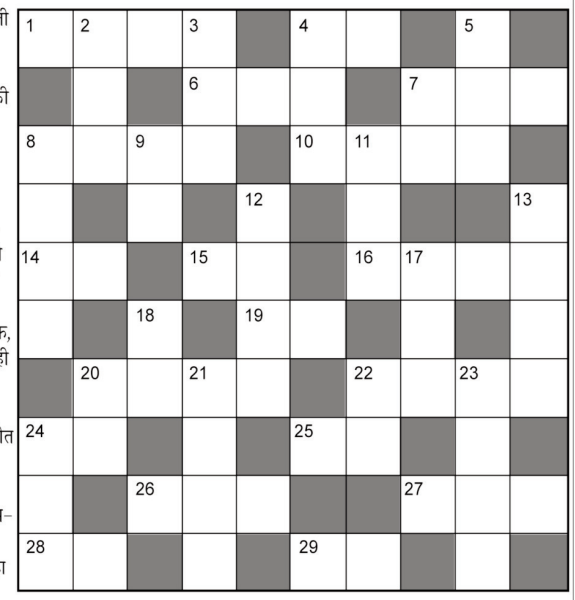

बायें से दायें:-

1. सैफ, चंद्रचूड़, प्रीति की 'इसे खेल ना समझो' गीत वाली फिल्म-1,3
4. 'एक लड़की जिसके' गीत वाली संजय दत्त, जैकी, रवीना की फिल्म-2
6. गोविंदा, रवीना टंडन की 'सासूजी थारो लल्ला' गीत वाली फिल्म-3
7. 'हम दिल दे चुके सनम' में सलमान की माँ की भूमिका किसने की थी-3
8. ऋषि कपूर, जूही चावला वाली फिल्म 'दरार' में सहनायक कौन था-4
10. 'रंग दे रंग दे' गीत वाली फिल्म 'तक्षक' के संगीत निर्देशक कौन हैं-4
14. राजकुमार, जीतेंद्र की फिल्म 'मेरे हुजूर' की नायिका कौन थी-2
15. 'दिल है तुम्हारा' में अर्जुन रामपाल के किरदार का क्या नाम है-2
16. राजेंद्रकुमार, बी. सरोजादेवी की 'जाना तुम्हारे प्यार में' गीत वाली फिल्म-4
19. 'इस टूटे दिल' गीत वाली अनिल, अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-2
20. अक्षयकुमार, करिश्मा की 'माथे पे चमके इसके' गीत वाली फिल्म-4
22. 'सोला किये थे' गीत वाली मिथुन, शिल्पा शिरोडकर की फिल्म-4
24. आमिर खान, माधुरी की 'मुझे नींद न आये' गीत वाली फिल्म-2
25. नाना पाटेकर, जैकी श्रॉफ, कुमार गौरव, जावेद, जूही की फिल्म-2
26. राजकपूर, दिलीपकुमार की 'उठाये जा उनके' गीत वाली फिल्म-3
27. 'ओ मेरे सनम ओ मेरे सनम' गीत वाली फिल्म-3
28. राजेंद्रकुमार, माला सिन्हा की 'जिसके सपने हमें रोज' गीत वाली फिल्म-2
29. 'जाने क्या होगा रामा रे' गीत वाली फिल्म-2

ऊपर से नीचे:-

2. आफताब, लिसा रे की 'कितना बेचैन हो के' गीत वाली फिल्म-3
3. 'तेरे बिना मैं कुछ' गीत वाली मिथुन, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की फिल्म-3
4. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'यारी है ईमान मेरा' गीत वाली फिल्म-3
5. 'बोल गोरी बोल तेरा कौन पिया' गीत वाली सुनीलदत्त, नूतन की फिल्म-3
7. फिल्म 'रजिया सुल्तान' में शीर्षक भूमिका किसने की थी-2
8. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'मीत ना मिला रे मन का' गीत वाली फिल्म-4
9. संजय दत्त, इंद्रकुमार, मनीषा की फिल्म-2
11. शॉवर अली, तरूण अरोड़ा, मेघना की 'तेरी चाहत में' गीत वाली फिल्म-3
12. राजेश खन्ना, शबाना की 'चलो बुलावा आया है' गीत वाली फिल्म-4
13. सनी, रजनीकांत, श्रीदेवी की फिल्म-4
17. अजय, अक्षय, करिश्मा, नगमा की 'शाबा ये नखरा' गीत वाली फिल्म-3
18. 'ये मेरा दिल यार का दीवाना' गीत वाली अमिताभ, जीनत की फिल्म-2
20. सनी, तब्बू, रीमा सेन की फिल्म-2
21. 'दिल का तोहफा लाई हूँ' गीत वाली फिल्म-4
22. आयशा, दिव्या भारती, कमल सदाना की 'तेरी मुहब्बत' गीत वाली फिल्म-2
23. 'ये काली काली आँखें' गीत वाली फिल्म-4
24. सनी, बॉबी, उर्मिला की फिल्म-3

फिल्म वर्ग पहेली-2054

गु	रू		खा	मो	शी		आ	स	रा
रू		फ	न		बा	द	शा	ह	
दे	वी		दा	ग		स्त		र	न
व	र	दा	न		म	क	ड़ी		ती
	ता			फॉ	सी			रा	जा
आ		स	जा		हा	र	जी	त	
शि	का	र		आ		क्ष		ओं	
क		ग	व	न		क	ह	र	
	धू	म		बा	जी			दि	ल
पा	प		जी	न	त		डॉ	न	

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

देश के विकास के लिए केंद्र एवं राज्यों के मजबूत रिश्ते जरूरी: सीतारमण

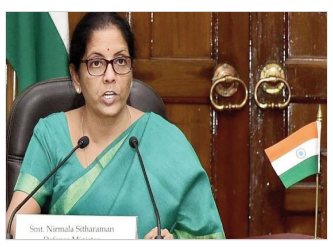

मुंबई।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने विकास आकांक्षाओं को हासिल करने के लिए शुक्रवार को केंद्र एवं राज्यों के बीच के संबंधों को मजबूत बनाने की जरूरत बताई। सीतारमण ने पीआईसी द्वारा आयोजित एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि हरित ऊर्जा, ढांचागत आधार और स्वस्थ एवं शिक्षित जनसंख्या रूपी तीन स्तंभ भारत को इसके सौवें वर्ष तक ले जाएंगे। उन्होंने कहा, इन सबमें सबसे अहम भावना केंद्र और राज्यों के मिलकर काम करने से जुड़ी है। आखिर भारत एक बड़ा देश है जिसमें कई राज्य हैं।

उनमें से हरेक की अपनी विधानसभा हैं। विधानसभा में बैठने वाले निर्वाचित लोग उस राज्य का शासन चलाते हैं और उस क्षेत्र को कई चीजें करने की स्वायत्तता मिलती है। सीतारमण ने कहा कि भारत के 100 वर्ष के मुकाम पर तीन स्तंभों को केंद्र-राज्य संबंधों की इसी भावना में ही जमीन तलाशनी होगी। उन्होंने कहा, ये तीनों स्तंभ तैरती हुई स्थिति में नहीं रह सकते हैं।

उन्हें जमीन में आधार स्थापित करना होगा और इसी जमीन में यह काम होगा। वित्त मंत्री के मुताबिक, जमीन को पुख्ता करने का मतलब है कि केंद्र एवं राज्यों को मिलकर काम करना होगा ताकि 100 वर्ष का होने पर भारत की मजबूत बुनियाद बनी रहे।

रूस-यूक्रेन युद्ध की वजह से बढ़ सकते हैं सोने के दाम, सॉवरेन गोल्ड बांड में करें निवेश

नई दिल्ली ।

रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध जारी है। इससे दुनियाभर के बाजारों में उथल-पुथल का माहौल बना हुआ है। अतीत में जब भी ऐसे मौके आए हैं, सोने के भाव ने नई ऊंचाई को छुआ है। युद्ध की वजह से पैदा हुई अनिश्चितता की वजह से इस कारोबारी हफ्ते में भी सोने के रेट में काफी उछाल देखने को मिला। ऐसे समय में सेफ एसेट्स में निवेश फायदेमंद साबित होता है। अगर आप भी गोल्ड में पैसे लगाने चाहते हैं, तो सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड स्कीम 2021-22 का अगला चरण आपके लिए काफी बढ़िया ऑप्शन साबित हो सकता है। इस स्कीम का अगला चरण सोमवार से सब्सक्रिप्शन के लिए ओपन हो रहा है। अगर आप सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड स्कीम 2021-22 में इन्वेस्ट करना चाहते हैं तो अपने पैसे तैयार रखिए। सरकार 28 फरवरी (सोमवार) से आपको यह मौका देने जा रही है। इस स्कीम की 10वीं सीरीज में निवेश करने की आखिरी तारीख चार मार्च होगी। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने स्कीम की 10वीं सीरीज के लिए इश्यू प्राइस तय कर दिया है। आरबीआई ने इस सीरीज के लिए सोने का भाव 5,109 रुपए प्रति ग्राम तय किया है। इस बॉन्ड के लिए ऑनलाइन अप्लाई करने और डिजिटल तरीके से भुगतान करने वालों को 50 रुपए प्रति ग्राम का डिस्काउंट मिलेगा। ऐसे निवेशकों को 5,059 रुपये प्रति ग्राम की दर से भुगतान करना होगा। गोल्ड की मांग को कम करने और सेविंग को गोल्ड बॉन्ड में शिफ्ट करने के लिए सरकार ने नवंबर 2015 में यह स्कीम पेश की थी। भारत सरकार की ओर से आरबीआई बॉन्ड जारी करता है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन द्वारा प्रकाशित 999 गुणवत्ता वाले सोने की तीन दिन की क्लोजिंग प्राइस के सामान्य औसत के आधार पर बॉन्ड का मूल्य तय किया जाता है।

बिग बाजार स्टोरों अब रिलायंस इंडस्ट्रीज का हो रहा है कब्जा

नई दिल्ली ।

बिग बाजार पर राज करने वाली फ्यूचर रिटेल के स्टोरों का संचालन अब रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) के हाथ में आ गया है। रिलायंस ने फ्यूचर रिटेल के कर्मचारियों को नौकरी की पेशकश भी की है। आरआईएल को खुदरा कारोबार बेचने के संबंध में किशोर बियानी के नेतृत्व वाले समूह के ई-कॉमर्स कंपनी ऐमजॉन के साथ मुकदमों में उलझे होने के बावजूद ऐसा किया गया है। पूरे घटनाक्रम से जुड़े सूत्रों ने बताया कि रिलायंस रिटेल ने उन परिसरों का कब्जा लेना शुरू कर दिया है, जिसमें फ्यूचर रिटेल बिग बाजार जैसे अपने स्टोरों का संचालन कर रहा है। रिलायंस अब उन्हें अपने ब्रांड स्टोर से बदल रहा है। उन्होंने बताया कि आरआईएल ने फ्यूचर रिटेल स्टोर्स के कर्मचारियों को नौकरी देना और उन्हें रिलायंस रिटेल के पे-रोल पर लाना भी शुरू कर दिया है। इस बारे में टिप्पणी के लिए ऐमजॉन से संपर्क करने पर कंपनी ने कुछ कहने से इनकार कर दिया। रिलायंस-फ्यूचर सौदे की अगस्त 2020 में घोषणा के बाद कई रियल एस्टेट मालिकों ने रिलायंस से संपर्क किया था, क्योंकि फ्यूचर रिटेल किराया नहीं चुका पा रही थी। सूत्रों ने कहा कि इसके बाद रिलायंस ने इन प्रोपर्टी ऑनरों के साथ लीज समझौतों पर हस्ताक्षर किए। जहां भी संभव हुआ, इन परिसरों को फ्यूचर रिटेल लिमिटेड (एफआरएल) को सब-लीज पर दे दिया गया, ताकि कारोबार जारी रह सके। सूत्र ने बताया कि जिन स्टोरों को रिलायंस अपने कब्जे में ले रही है, वे घाटे में चल रहे हैं। बाकी स्टोर एफआरएल द्वारा संचालित होते रहेंगे। इस तरह एफआरएल का परिचालन घाटा कम हो जाएगा। हालांकि, अब तक रिलायंस रिटेल के पास आ चुके स्टोरों की सही संख्या का पता नहीं चल सका है। एक उद्योग सूत्र के अनुसार रिलायंस ऐसे परिसरों का मूल्यांकन करेगा।

मंत्रिमंडल एलआईसी के आईपीओ मामले में एफडीआई प्रस्ताव पर करेगी विचार

नई दिल्ली ।

मंत्रिमंडल देश की प्रमुख कंपनी एलआईसी में विनिवेश को सरल बनाने के लिए प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) नीति में बदलाव लाने के प्रस्ताव पर विचार कर सकता है। उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने वित्त मंत्रालय से परामर्श करने के बाद यह प्रस्ताव आगे बढ़ाया है। जानकारी के मुताबिक केंद्रीय मंत्रिमंडल शनिवार को इस प्रस्ताव पर विचार करेगा। मौजूदा एफडीआई नीति के मुताबिक बीमा क्षेत्र में स्वत- मार्ग के तहत 74 प्रतिशत विदेशी निवेश की अनुमति है। हालांकि यह नियम भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) पर लागू नहीं होता है। इसका प्रबंधन एक अलग कानून एलआईसी अधिनियम के तहत होता है। बाजार नियामक सेबी के नियमों के अनुसार सार्वजनिक निर्गम पेशकश के तहत एफपीआई (विदेशी पोर्टफोलियो निवेश) और एफडीआई दोनों की अनुमति है। चूंकि एलआईसी अधिनियम में विदेशी निवेश के लिए कोई प्रावधान नहीं है, अत- विदेशी निवेशक भागीदारी के संबंध में प्रस्तावित एलआईसी आईपीओ को सेबी के मानदंडों के अनुरूप बनाने की आवश्यकता है। मंत्रिमंडल ने पिछले साल जुलाई में एलआईसी के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम को मंजूरी दी थी। इस निर्गम के लिए एलआईसी ने बाजार नियामक सेबी के समक्ष आवेदन किया हुआ है।

संक्षिप्त समाचार

मिड-साइज प्रीमियम सेडान स्कोडा स्लाविया 28 फरवरी को होगी लॉन्च

नई दिल्ली । कारों के बाजार में धमाका करने चेक गणराज्य की कार निर्माता कंपनी स्कोडा आ रही है। कंपनी 28 फरवरी को मिड-साइज प्रीमियम सेडान स्कोडा स्लाविया को लॉन्च करने जा रही है। लॉन्चिंग से पहले कंपनी ने इस कार पर एक स्पेशल ऑफर का खुलासा किया है। स्कोडा ने इसके लिए 4 साल के मेंटेनेंस पैकेज की घोषणा की है। इस पैकेज में स्लाविया की मैंटेनेंस कॉस्ट सिर्फ 0.46 पैसे प्रति किमी हो जाएगी। इसमें स्पेयर पार्ट्स की लागत, इंजन तेल की लागत और लेबर कॉस्ट शामिल होगी। पैकेज की कीमत 24,999 रुपये रखी गई है। स्कोडा स्लाविया की कीमत की बात करें तो इसको लेकर कंपनी ने ऑफिशियल खुलासा नहीं किया है। लेकिन रिपोर्ट्स के मुताबिक, इसके बेस वैरिएंट 1.0 लीटर की कीमत 10.8 लाख रुपए होगी। वहीं, टॉप मॉडल स्लाविया 1.5 टीएसआई डीएसजी की एक्स-शोरूम कीमत 17.7 लाख रुपये होगी। इसकी ऑनरोड कीमत 21.42 लाख रुपये तक पहुंच जाएगी। एमक्यूबी एओ आईइन प्लेटफॉर्म पर तैयार स्कोडा स्लाविया एक प्रीमियम मिड साइज सेडान कार है। इसमें लंबे व्हीलबेस, 16 इंच के अलॉय व्हील, वर्टिकल क्रोम फ्रंट ग्रिल, एल आकार की हेडलाइट्स और चौड़े एयर इनलेट के साथ बंपर दिया हुआ है। स्कोडा स्लाविया में बड़ा टचस्क्रीन इन्फोटेनमेंट सिस्टम, कनेक्टेड कार टेक्नॉलजी, ऑटो हेडलैंप, प्रीमियम कंपनी के 6 स्पीकर, 6 एयरबैग्स, क्रूज कंट्रोल, रियर पार्किंग कैमरा समेत कई स्टैंडर्ड और सेफ्टी फीचर्स दिए हुए हैं। स्कोडा स्लाविया के इंजन की बात करें तो इसमें दो इंजन ऑप्शन होंगे। एक ऑप्शन 1.0 लीटर 3 सिलिंडर टीएसआई पेट्रोल इंजन 115एचपी तक की पावर जेनरेट कर करेगा और दूसरा ऑप्शन 1.5 लीटर 4 सिलिंडर टीएसआई इंजन 150एचपी तक की पावर और 250एनएम टॉर्क जेनरेट करेगा। स्कोडा स्लाविया में 6 स्पीड मैनुअल और 6 स्पीड टॉर्क कन्वर्टर ऑटोमैटिक गियरबॉक्स लगाया गया है।

अब सिर्फ एक मिस्ड कॉल से मिल जाएगा रसोई गैस कनेक्शन

नई दिल्ली । पहले आपको रसोई गैस का नया कनेक शन लेने के लिए ऑफिस के चक्कर लगाना पड़ते थे ले किन अब चक्कर लगाने की कोई जरूरत नहीं। अब आपको सिर्फ एक मिस्ड कॉल देना होगा। इसके बाद आपको आसानी से रसोई गैस का कनेक शन मिल जाएगा। इंडियन ऑयल कार्पोरेशन लिमिटेड ने ट्वीट करते हुए यह जानकारी दी है कि अब ग्राहक एक मिस्ड कॉल देकर भी गैस कनेक्शन पा सकते हैं। आईओसीएल की दी हुई जानकारी के अनुसार अब कनेक्शन के लिए ग्राहकों को 8454955555 पर मिस्ड कॉल करना होगा और कंपनी के कर्मचारी उनसे संपर्क करेंगे। इसके बाद एड्रेस प्रूफ और आधार के जरिए अपको गैस कनेक्शन मिल जाएगा। गौरतलब है कि इसी नंबर के जरिए गैस रिफिल भी कराया जा सकता है। इसके लिए आपको बस रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर से कॉल करना होगा। अगर आपके परिवार में किसी के पास कोई गैस कनेक्शन है और पता एक ही है तो भी आप गैस कनेक्शन ले सकते हैं। हालांकि इसके लिए आपको एक बार गैस एजेंसी जाना होगा और पुराने गैस कनेक्शन से जुड़े डॉक्यूमेंट्स दिखाकर वैरिफाई कराना होगा। उसके बाद ही आपको उस पते पर गैस कनेक्शन मिल जाएगा।उसके बाद ही आपको उस पते पर गैस कनेक्शन मिल जाएगा।

सरकार 2022-23 में खरीद सकती है रिकॉर्ड 444 लाख टन गेहूं

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने अप्रैल से शुरू हो रहे रबी विपणन वर्ष 2022-23 में रिकॉर्ड 444 लाख टन गेहूं की खरीद का अनुमान लगाया है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार केंद्रीय खाद्य सचिव ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये राज्यों के खाद्य सचिवों और भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) की बैठक की अध्यक्षता की। बयान के मुताबिक बैठक में आगामी रबी विपणन सीजन (आरएमएस) 2022-23 और खरीफ विपणन सीजन (केएमएस) 2021-22 की रबी फसल की खरीद व्यवस्था को लेकर चर्चा की गई। आगामी आरएमएस सीजन 2022-23 के दौरान खरीद के लिए 444 लाख टन गेहूं का अनुमान लगाया गया है, जो पिछले वर्ष आरएमएस 2021-22 के खरीद अनुमान से अधिक है।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 2.76 अरब डॉलर बढ़ा

मुंबई । स्वर्ण भंडार के मूल्य तथा मुख्य मुद्रा आस्तियों में वृद्धि के कारण देश का विदेशी मुद्रा भंडार 18 फरवरी को समाप्त सप्ताह में 2.762 अरब डॉलर बढ़कर 632.95 अरब डॉलर हो गया। भारतीय रिजर्व बैंक ने यह जानकारी दी। इससे पूर्व के सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 1.763 अरब डॉलर घटकर 630.19 अरब डॉलर रह गया था। आरबीआई द्वारा जारी किए गए साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार विदेशी मुद्रा भंडार में वृद्धि, विदेशी मुद्रा आस्तियों (एफसीए) के बढ़ने के कारण दर्ज की गई। एफसीए समग्र भंडार और स्वर्ण भंडार का एक प्रमुख घटक है। आंकड़ों के अनुसार 18 फरवरी को समाप्त सप्ताह में एफसीए 1.496 अरब डॉलर बढ़कर 567.06 अरब डॉलर हो गया। डॉलर में अभिव्यक्त विदेशी मुद्रा भंडार में रखे जाने वाले विदेशी मुद्रा आस्तियों में यूरो, पौंड और येन जैसे गैर अमेरिकी मुद्रा के मूल्यवृद्धि अथवा मूल्यह्रास के प्रभावों को शामिल किया जाता है। इसके अलावा आलोच्य सप्ताह में सोने का भंडार 1.274 अरब डॉलर बढ़कर 41.509 अरब डॉलर हो गया। समीक्षाधीन सप्ताह में अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास जमा विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 1.1 करोड़ डॉलर घटकर 19.162 अरब डॉलर रह गया। आईएमएफ में रखे देश का मुद्रा भंडार 40 लाख डॉलर बढ़कर 5.221 अरब डॉलर हो गया।

पिछले सप्ताह बाजार में रही निराशा, अगले सप्ताह में डेल्टा तय करेगा बाजार की चाल

मुंबई ।

रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध से इस सप्ताह मुंबई शेयर बाजार के लिए काफी निराशाजनक समय रहा। संकट गहराने के साथ सेंसेक्स और निफ्टी सहित दुनियाभर के शेयर बाजारों में गिरावट का रुख देखने को मिला। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 18 फरवरी को 57,832.97 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। सेंसेक्स 25 फरवरी को 55,858.52 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इस तरह संसेक्स पिछले पांच सत्र में कुल 1,974.45 अंक लुढ़क गया। इस तरह, एनएसई निफ्टी इस अवधि में 617.90 अंक टूटकर 16,658.40 अंक के स्तर पर बंद हुआ। रूस और यूक्रेन जंग का असर कई प्रकार से इकोनॉमी पर देखने को मिल है। इस लड़ाई के चलते कच्चे तेल की कीमतें गुरुवार को 105 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गई। इससे तेल आयात करने वाले भारत जैसे देशों में महंगाई के और अधिक बढ़ जाने की आशंका हैं। इस वजह से भी सेंटिमेंट पर असर पड़ा।हालांकि, सप्ताह के आखिरी दिन भारी लिवाली से गिरावट एक स्तर तक सीमित रही। निफ्टी इंडेक्स की 46 कंपनियां इस सप्ताह लाल निशान में रहीं। भारत पेट्रोलियम के शेयर इस सप्ताह सबसे ज्यादा 9.92 फीसदी लुढ़क गए। इसके अलावा यूपीएल , एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस , ग्रासिम इंडस्ट्रीज , एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस , हीरो मोटोकॉर्प , टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज , इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन , टाटा मोटर्स और भारतीय स्टेट बैंक के शेयर भी छह फीसद से ज्यादा लुढ़क गए। अगला सप्ताह बाजार के लिए काफी अहम रहने वाला है। अगला सप्ताह साल के अंतिम वित्त वर्ष का पहला हफ्ता भी होगा।

आगामी सप्ताह में कई डेटा शेयर बाजार की चाल को प्रभावित करने वाले है। 28 फरवरी को जनवरी महीने का इंफा आउटपुट डेटा आएगा। इसके साथ ही चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही का जीडीपी डेटा भी 28 फरवरी को आएगा। इसके अलावा ट्रेडर्स की निगाहें दो मार्च को जारी होने वाले मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई डेटा पर भी रहेगी। आईएचएस मार्किट इंडिया मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई जनवरी, 2022 में घटकर 54 पर आ गया था जो दिसंबर, 2021 में 55.5 पर रहा था। चार मार्च को मार्किट सर्विसेज पीएमआई का डेटा भी रिलीज होने वाला है। इसके बाद में एक्सपर्ट्स के मुताबिक आने वाले सप्ताह में भी निवेशक सतर्क रहने वाले है। निवेशकों की निगाहें रूस-यूक्रेन युद्ध से जुड़े डेवलपमेंट के साथ-साथ इन अहम आंकड़ों पर भी रहेगी। इस तरह के उतार-चढ़ाव भरे माहौल में निवेशक इंवेस्टमेंट के लिए बैलेंस अप्रोच रखते हैं।

रूस-यूक्रेन संकट का भारतीय अर्थव्यवस्था पर कोई प्रत्यक्ष प्रभाव नहीं पड़ेगा: रिपोर्ट

नई दिल्ली ।

रूस और यूक्रेन संकट के चलते द्विपक्षीय कारोबार के मामले में भारत पर कोई प्रत्यक्ष प्रभाव नहीं पड़ेगा लेकिन तेल की कीमतों में तेजी आने से अर्थव्यवस्था के समक्ष जोखिम पैदा हो सकता है। बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी) के एक अर्थशास्त्रीय शोध रिपोर्ट में यह आशंका जताई गई। इसमें कहा गया है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल के दाम 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच गए हैं। इससे बाह्य स्तर पर स्थिरता तथा रुपए की गतिविधियों को लेकर जोखिम है। इनवेस्को ने एक रिपोर्ट में कहा कि अगर यह संकट बढ़ता है और ईरान की तरह रूस को पश्चिमी भुगतान और त्वरित संदेश प्रणाली (स्विफ्ट) से बेदखल किया जाता है तो ऊर्जा आपूर्ति में बाधा से गंभीर गतिहीन मुद्रास्फीति की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। रूस यूरोप को 40 प्रतिशत गैस की आपूर्ति करता है जबकि कोयला समेत ठोस ईंधन की आपूर्ति में उसकी हिस्सेदारी आधी है। साथ ही एक तिहाई तेल की भी आपूर्ति करता है। अब तक अमेरिका ने रूस को वैश्विक भुगतान प्रणाली के उपयोग से प्रतिबंधित नहीं किया है। वित्त वर्ष 2022-23 के केंद्रीय बजट और आरबीआई की द्विमासिक मौद्रिक नीति दोनों इस संकट से पहले पेश की गई और उसमें कच्चे तेल की ऊंची कीमत के प्रभाव को शामिल नहीं किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार बजट और आरबीआई की मौद्रिक नीति में कच्चे तेल की कीमत 75 डॉलर प्रति बैरल रहने का अनुमान रखा गया है। भारत अपनी तेल जरूरतों का 80 प्रतिशत आयात करता है। वित्त वर्ष 2020-21 में भारत ने 82.7 अरब डॉलर का तेल आयात किया था। जबकि चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-जनवरी के दौरान 125.5 अरब डॉलर का तेल आयात किया गया है। हालांकि अब तेल की कीमत 8 साल के उच्च स्तर पर है, ऐसे में तेल आयात बिल ऊंचा रह सकता है। रिपोर्ट के अनुसार वित्त वर्ष 2021-22 में तेल आयात 155.5 अरब डॉलर रह सकता है। आर्थिक गतिविधियों में सुधार के साथ अगले वित्त वर्ष में भी तेल आयात में सुधार की उम्मीद है। तेल मांग में 5 प्रतिशत वृद्धि की उम्मीद है। इसमें कहा गया है कि हमारा अनुमान है कि तेल के दाम में स्थायी तौर पर 10 प्रतिशत की वृद्धि से तेल आयात में 15 अरब डॉलर या जीडीपी का 0.4 प्रतिशत का इजाफा हो सकता है।

इससे चालू खाते का घाटा बढ़ेगा। तेल के दाम में तेजी से रुपए पर भी असर पड़ा है। इससे व्यापार घाटा बढ़ेगा और अंतत- अंतरराष्ट्रीय व्यापार के मोर्चे पर स्थिरता प्रभावित होगी। कच्चे तेल के दाम में 10 प्रतिशत की तेजी से उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति में प्रत्यक्ष एवं परोक्ष 0.15 प्रतिशत प्रभाव पड़ेगा। जबकि थोक मुद्रास्फीति का कच्चा तेल संबंधित उत्पादों में भारांश 7.3 प्रतिशत है।

सॉवरेन गोल्ड बांड अभिदान के लिए 28 फरवरी को खुलेगी 10वीं किस्त

मुंबई। सरकारी स्वर्ण बांड योजना 2021-22 के लिए निर्गम मूल्य 5,109 रुपए प्रति ग्राम तय किया गया है। इसमें निवेश के लिए सोमवार से आवेदन दिया जा सकता है। भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) ने कहा कि स्वर्ण बॉन्ड योजना 2021-22 की दसवीं किस्त अभिदान के लिए 28 फरवरी से चार मार्च तक खुली रहेगी। केंद्रीय बैंक ने कहा कि स्वर्ण बॉन्ड का आधार मूल्य 5,109 रुपए प्रति ग्राम होगा। सरकार ने आरबीआई के साथ परामर्श के बाद ऑनलाइन आवेदन करने वाले निवेशकों को 50 रुपए प्रति ग्राम की छूट देने का फैसला किया है। इनके लिए उन्हें डिजिटल माध्यम से भुगतान करना होगा। आरबीआई ने कहा कि ऑनलाइन भुगतान करने वाले निवेशकों के लिए गोल्ड बॉन्ड का निर्गम मूल्य 5,059 रुपए प्रति ग्राम होगा। स्वर्ण बॉन्ड योजना 2021-22 की नौवीं किस्त दस से 14 जनवरी तक अभिदान के लिए खुली थी और इस दौरान निर्गम मूल्य 4,786 प्रति ग्राम सोना था। अभिदान के लिए खुली थी और इस दौरान निर्गम मूल्य 4,786 प्रति ग्राम सोना था। भारतीय रिजर्व बैंक भारत सरकार की ओर से बॉन्ड जारी करेगा। केंद्रीय बैंक के अनुसार ये बॉन्ड स्टॉक होल्डिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एसएचसीआईएल), नामित डाकघरों और एनएसई तथा बीएसई जैसे मान्यता प्राप्त शेयर बाजारों के जरिए बेचे जाएंगे। योजना के तहत आम निवेशक न्यूनतम एक ग्राम सोना और अधिकतम चार किलो ग्राम सोना के लिए निवेश कर सकते हैं। हिंदु अविभाजित परिवार चार किलो और न्यास तथा इसी प्रकार की इकाइयां प्रत्येक वित्त वर्ष में 20 किलो के लिए आवेदन कर सकती हैं।

उड़द दाल की औसत थोक बिक्री एक साल में पांच फीसदी घटी

नई दिल्ली ।

सरकार ने कहा कि पिछले एक साल में उड़द की दाल की औसत थोक कीमतों में पांच फीसदी की गिरावट आई है। एक सरकारी बयान में कहा गया है कि सरकार ने घरेलू उपलब्धता को बढ़ावा देने और आवश्यक खाद्य वस्तुओं की कीमतों को स्थिर करने के लिए कई उपाय किए हैं। उपभोक्ता मामलों के विभाग के आंकड़ों के अनुसार उड़द दाल का औसत थोक मूल्य 25 फरवरी, 2022 की रिपोर्ट के अनुसार, 9,410.58 रुपए प्रति क्विंटल है, जबकि 25 फरवरी, 2021 को यह कीमत 9,904.39 रुपए प्रति क्विंटल थी। यह 4.99 प्रतिशत की गिरावट को बताता है। इसी तरह 24 फरवरी, 2022 को उड़द दाल का औसत थोक मूल्य 9,444.06 रुपए प्रति क्विंटल रही, जबकि 24 फरवरी, 2021 को यह कीमत 9,896.95 रुपए प्रति क्विंटल थी। मई 2021 में, राज्यों या केंद्र शासित प्रदेशों को आवश्यक खाद्य वस्तुओं की कीमतों की निगरानी करने और आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत मिल मालिकों, आयातकों और व्यापारियों द्वारा रखे गए दालों के स्टॉक का खुलासा सुनिश्चित करने के लिए परामर्श जारी किया गया था। मूंग को छोड़कर बाकी सभी दालों पर स्टॉक सीमा दो जुलाई, 2021 को अधिसूचित की गई थी। इसके बाद 19 जुलाई, 2021 को एक संशोधित आदेश जारी किया गया, जिसमें चार दालों, अरहर, उड़द, मसूर, चना पर 31 अक्टूबर, 2021 तक की अवधि के लिए स्टॉक सीमा लागू की गई। सरकार ने 15 मई, 2021 से 31 अक्टूबर, 2021 तक मुक्त श्रेणी के तहत अरहर, उड़द और मूंग के आयात की अनुमति दी। इसके बाद अरहर और उड़द के आयात के संबंध में मुक्त व्यवस्था को 31 मार्च, 2022 तक बढ़ा दिया गया था। आयात से जुड़े नीतिगत उपायों के परिणामस्वरूप पिछले दो वर्षों की इसी अवधि की तुलना में अरहर, उड़द और मूंग के आयात में पर्याप्त वृद्धि हुई है।

चीन में लॉन्च हो सकती एमजी की इलेक्ट्रिक हैचबैक

नई दिल्ली । जानीमानी कंपनी एमजी मोटर अपनी इलेक्ट्रिक हैचबैक कार सबसे पहले बीजिंग मोटर शो में शोकेस करेगी। इस साल के अंत तक कंपनी इसका प्रॉडक्शन भी शुरू कर देगी। फिर अगले साल यानी 2023 में इसे ग्लोबली सेल किया जाएगा। सबसे पहले कंपनी इसे चाइनीज मार्केट में लॉन्च कर सकती है। इसके बाद बीकी के बाजारों में इसे उतारा जाएगा। इस कार का फर्स्ट लुक स्पाई इमेज में सामने आया है। कार का कैमोफ्लॉज्ड वर्जन इंटरनेट पर सामने आया है। कार के फ्रंट बंपर का शेप

एमजी सायबरशाट कॉन्सेप्ट जैसा है। कार के रियर सेक्शन में स्लॉपिंग विंडस्क्रीन और टेलगेट माउंटेड स्पॉइलर दिया गया है। कार बड़े वील्ज और लो प्रोफाइल टायर्स के साथ नजर आई जैसा कि कॉन्सेप्ट कारों में अक्सर देखा जाता है।कार के बैटरी पैक को निचले हिस्से में सेटअप किया गया है जो मॉडर्न ईवी में कॉमन है। यह इलेक्ट्रिक हैचबैक इंडिपेंडेंट रियर सस्पेंशन के साथ आने वाली है। कार के इंटीरियर की ज्यादा झलक देखने को नहीं मिली। एक रिपोर्ट के मुताबिक कंपनी इसे आईसीएन इंजन के साथ भी लॉन्च कर सकती है। भारत में ईवी सेगमेंट में सभी बड़ी कंपनियां अच्छा खासा निवेश कर रही हैं और आने वाले समय में और कारें इस सेगमेंट में लॉन्च होंगी। आपको बता दें कि सामने आई इमेज में दिख रहा मॉडल कार का कॉन्सेप्ट मॉडल है और प्रॉडक्शन मॉडल में कंपनी काफी बदलाव भी कर सकती है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सीनियर महिला टी20 ट्राफी और कर्नल सीके नायडू ट्राफी मार्च से मई महीनों के दौरान आयोजित होगी : बीसीसीआई

नई दिल्ली । कोरोना की सक्रियता कम होने से खेल जगत की सक्रियता लगातार बढ़ रही हैं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) सचिव जय शाह ने कहा कि बोर्ड महिलाओं के लिए सीनियर राष्ट्रीय टी20 और सीके नायडू के लिये राष्ट्रीय अंडर-25 टूर्नामेंट (लाल गेंद) मार्च और मई के बीच आयोजित कराकर अपनी बची हुई घरेलू प्रतियोगिता बहाल करने को तैयार है। जनवरी में कोविड-19 की तीसरी लहर के कारण रणजी ट्राफी सत्र बाधित होने के बाद अब दूसरे दौर में है। तीसरी लहर से पूरे घरेलू कैलेंडर पर खतरा बना हुआ था लेकिन अब चीजों के धीरे धीरे सही होने की उम्मीद है। शाह ने विभिन्न राज्य संघों को एक पत्र में लिखा, 'हमने रणजी ट्राफी 2021-22 का पहला दौर पूरा कर लिया है, इससे मुझे आपको यह बताते हुए बेहद खुशी हो रही है कि सीनियर महिला टी20 ट्राफी और कर्नल सीके नायडू ट्राफी 2021-22 मार्च से मई महीनों के दौरान आयोजित होगी। बीसीसीआई टूर्नामेंट के ड्रा और सुरक्षा प्रोटोकॉल की जानकारी आने वाले समय में साझा करेगा।' बल्कि सीनियर महिला टी20 और अंडर-25 (पहले अंडर-23) से सुनिश्चित होगा कि घरेलू क्रिकेटरों के लिए फिर से आय का जरिया शुरू हो जायेगा जो बंद हो गया था। टूर्नामेंट इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के साथ साथ ही कराये जाएंगे जिससे देश के अंपायरों और स्कोरर को काफी फायदा मिलेगा ।

महिला विश्वकप क्रिकेट,

31 दिन, 31 मुकाबले का होगा महिला विश्वकप क्रिकेट, 4 मार्च से होगा शुरु

नई दिल्ली ।

न्यूजीलैंड में महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप (50 ओवर) का 12वां संस्करण खेला जाएगा। भारतीय महिला टीम न्यूजीलैंड में ही है। टीम ने वहां पांच मैचों की सीरीज खेली है। भारत हालांकि शुरुआती चार मैच हार गया, लेकिन आखिरी मैच में टीम ने जीत हासिल कर फॉर्म में लौटने के कुछ संकेत दिए। चार मार्च को शुरू होने वाला यह वर्ल्ड कप कुल 31 दिन चलेगा। विश्वकप का फाइनल 3 अप्रैल को होगा। साल 2017 में इंग्लैंड में हुए वर्ल्ड कप के बाद से भारत में भी महिला क्रिकेट को लेकर रवैये में बदलाव आया है। भारत को वर्ल्ड कप के फाइनल में इंग्लैंड के हाथों करीबी मुकाबले में हार मिली थी। इस इवेंट की रैंकिंग भी बहुत ऊंची पहुंच गई थी। इससे महिला क्रिकेट को नई पहचान मिली और लोगों ने इस पहले से अधिक फॉलो करना शुरू किया। एक अनुमान के अनुसार उस वर्ल्ड कप की व्युअरशिप 180 मिलियन यानी 18 करोड़ के अधिक रही। इस बार का वर्ल्ड कप न्यूजीलैंड में आयोजित होगा। इस इवेंट के पिछले वर्ल्ड कप को देखकर आयोजकों को उम्मीद है कि इस बार भी यह इवेंट कामयाबी की नई मिसाल बनाएगा। कोरोना के कारण इस बार वर्ल्ड कप पूर्व निर्धारित समय से 13 महीने देरी से हो रहा है।

पहले महिला वर्ल्ड का आयोजन 1973 में हुआ था। यानी पुरुष वर्ल्ड कप से दो साल पहले। यह इसका 12वां एडिशन होगा। कौन-कौन ले रहा है भाग = ऑस्ट्रेलिया-मैग लैनिंग, बांग्लादेश-निगार सुलताना, भारत- मिताली राज, इंग्लैंड- हीदर नाइट, साउथ अफ्रीका- सुन लुउस, पाकिस्तान-बिस्माह मारूफ

वेस्टइंडीज- स्टेफनी टेलर शामिल हैं।

टॉप 4 टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वॉलिफाइ करेंगी। महिला वर्ल्ड कप की शुरुआत 4 मार्च, 2022 को न्यूजीलैंड और वेस्टइंडीज के बीच मुकाबले से होगी। यह ग्रुप स्टेज के मुकाबले 27 मार्च 2022 तक होने वाले है। ग्रुप में आखिरी मुकाबला भारत और साउथ अफ्रीका के बीच होगा। यह विश्वकप 31 दिन चलेगा। इन 31 दिनों में कुल 31 मुकाबल खेले जाएंगे। सेमीफाइनल मुकाबला बासिन रिजर्व में 30 मार्च को होगा। वहीं दूसरा सेमीफाइनल 31 मार्च को हेगली ओवर में होगा। फाइनल 3 अप्रैल, 2022 को खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलिया ने अभी तक छह वर्ल्ड कप जीता है। वह इस बार भी पंसदीदी टीम है। भारत की बात करें तब उसने पिछले वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया को हराया था। इंग्लैंड ने चार बार खिताब जीता है। वहीं मौजूदा होस्ट न्यूजीलैंड ने एक बार वर्ल्ड कप जीता है।

यूक्रेन संकट में फंसे भारतीय शतरंज खिलाड़ी अन्वेष ने बयां किया भयावह मंजर का हाल

नई दिल्ली ।

रूस के यूक्रेन पर आक्रमण करने के बाद से देश में धमाकों की गूंज और धुएं का गुबार दिख रहे हैं। लोग अपनी जान बचाने के लिए सुरक्षित ठिकाने ढूंढ़ रहे हैं। सैंकड़ों की संख्या में भारतीय भी वहां फंसे हैं। इसमें पूर्व नेशनल रैपिड चेस चैम्पियन अन्वेष उपाध्याय भी शामिल हैं। 30 साल के अन्वेष यूक्रेन की राजधानी कीव के एक अस्पताल से गेस्ट्रोएंटेरोलॉजी में अप्रेंटिसशिप कर रहे हैं। पहले उनकी प्लानिंग मार्च में भारत लौटने की थी। लेकिन रूस के हमले के बाद फ्लाइट्स बंद हो गईं हैं। ऐसे सें उन्हें समझ नहीं आ रहा है कि आगे क्या होगा? वो फिलहाल, अपने अपार्टमेंट में अकेले हैं और वहां के हालात से डरे हुए हैं। 2017 के नेशनल रैपिड चेस चैम्पियन अन्वेष ने बताया कि हालात इस कदर बेकाबू हो जाएंगे, ऐसा सोचा नहीं था। रूस ने पूरी सैन्य ताकत के साथ यूक्रेन पर हमला बोला है। मैंने कभी कल्पना नहीं की थी। ऐसा कुछ होगा। उन्होंने कहा कि यूक्रेन में 20 हजार भारतीय हैं और उसमें से 4 हजार बीते कुछ दिनों में भारत लौट गए हैं। अन्वेष ने कहा कि उन्होंने पहले भी यूक्रेन में उथल-पुथल देखी है। उन्होंने 2013 के छात्र आंदोलन का जिक्र किया, जब राष्ट्रपति विक्टर यानुकोविच के यूरोपियन यूनियन के करीब आने से जुड़े एक समझौते पर हस्ताक्षर नहीं करने की वजह से देश में छात्रों ने आंदोलन छेड़ दिया था। लेकिन उन्होंने माना कि जैसी अराजकता और डर बीते कुछ दिनों में नजर आया, वैसा अनुभव उन्हें पहले कभी नहीं हुआ है। उन्होंने यूक्रेन की मौजूदा स्थिति को लेकर कहा कि मैं 2013 के आंदोलन के वक्त भी देश में मौजूद था, तब भी हालात बुरे थे। लेकिन अभी डरावने हैं। अन्वेशष ने कहा, भारत में मेरे माता-पिता मुझे लेकर चिंतित हैं। इसी वजह से मैंने मार्च के पहले हफ्ते में यूक्रेन छोड़ने का प्लान बनाया था। वे मुझे लगातार फोन कर रहे हैं, जैसा कि मेरे स्कूल के टीचर कर रहे हैं। मैं यहां अपने अपार्टमेंट में अकेला हूं और मुझे नहीं पता कि स्टोर में क्या है? हमला अचानक हुआ, ।

पाकिस्तान रवाना होने से डेविड वार्नर ने बेटियों के नाम लिखा भावुक खत

सिडनी । साल 1998 के बाद पहली बार ऑस्ट्रेलियाई टीम पाकिस्तान की धरती पर सीरीज खेलने वाली है। पाकिस्तान के लिए यह एक अहम सीरीज है। इस दौरे पर ऑस्ट्रेलिया को तीन टेस्ट और इतने ही वनडे खेलने हैं। इसके साथ ही एकमात्र टी20 इंटरनैशनल मुकाबला भी होगा। अब चूंकि ऑस्ट्रेलिया इतने साल बाद पाकिस्तान जा रही है, तब खिलाड़ियों को वहां की पिचों और परिस्थितियों के बारे में अधिक जानकारी नहीं होगी। हालांकि ऑस्ट्रेलिया इनदिनों दुनिया की चोटी की टीम है। उम्मीद की जा रही है, वह पाकिस्तान में अच्छा प्रदर्शन करेगी। इस दौरे पर ऑस्ट्रेलिया को भी अपने सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर से काफी उम्मीदें होंगी। उन्होंने हाल ही में एशेज सीरीज में अपनी टीम को 4-0 से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। हालांकि भारतीय उपमहाद्वीप में उनका प्रदर्शन बहुत खराब रहा है। इस बीच वॉर्नर ने पाकिस्तान के लिए रवाना होने से पहली इंस्टाग्राम पर अपने परिवार के लिए एक भावुक पोस्ट लिखी। अपनी पत्नी कैंडिस और बेटियों इवी, इंडी और इस्ला ने 35 वर्षीय क्रिकेटर ने इमोशनल पोस्ट किया। उन्होंने लिखा कि गुडबाय कहना हमेशा मुश्किल होता है। उन्होंने लिखा, इन गर्ल्स को गुडबाय कहना हमेशा मुश्किल होता है! पिछले कुछ महीनों में हमने बहुत मस्ती की है और अब वक्त है जाने का। और कुछ हफ्तों बाद हम फिर एक साथ होंगे। मैं तुम सबको बहुत मिस करूंगा। इसके बाद फैंस ने इस पोस्ट पर जमकर टिप्पणी की। वॉर्नर की पत्नी ने इस पर कॉमेंट किया,हम तुम्हें दोबारा खेलते देखने को लेकर बेताब हैं। हम भी तुम्हें मिस करने वाले हैं, और आई लव यू। इस बीच बाएं हाथ का बल्लेबाज अपने परिवार से कुछ समय से दूर रहेगा। चूंकि पाकिस्तान दौरे के बाद वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का हिस्सा होंगे,।

डेविड वीस को आईपीएल में नहीं मिला खरीददार, पीएसएल में मचा रहे हाहाकर

लाहौर ।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 2022 मेगा ऑक्शन में अनसोल्ड रहे डेविड वीस ने पाकिस्तान में हाहाकार मचा दिया है। उन्होंने पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) के एलिमिनेटर-2 में लाहौर कलंदर की ओर से खेलकर इस्लामाबाद यूनाइटेड को हार के लिए मजबूर कर दिया। वीस ने बैटिंग के दौरान आखिरी ओवर में 3 छक्के और एक चौका उड़ाया। इसके बाद बॉलिंग में दम दिखाकर आखिरी ओवर में अपनी टीम को रोमांचक जीत भी दिलाई। इस तरह लाहौर कलंदर्स ने रोमांचक मुकाबले में इस्लामाबाद यूनाईटेड को छह रन से हराकर पाकिस्तान सुपर लीग के फाइनल में जगह बनाई। रविवार को फाइनल में लाहौर कलंदर्स का सामना गत चैंपियन मुल्तान सुल्तांस से होगा। लाहौर की टीम इससे पहले 2020 में भी फाइनल में पहुंची थी लेकिन तब टीम को उप विजेता बनकर संतोष करना पड़ा था। दो बार के चैंपियन इस्लामाबाद यूनाईटेड को अंतिम पांच ओवर में सिर्फ 39 रन की जरूरत थी, जबकि उसके पांच विकेट शेष थे। टीम ने हालांकि एक रन पर तीन विकेट गंवा दिए जिससे पूरी टीम 19.4 ओवर में 162 रन पर सिमट गई। इसके पहले डेविड वीस के आठ गेंद में 28 रन की बदौलत लाहौर की टीम ने सात विकेट पर 168 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। वीस ने बाएं हाथ के तेज गेंदबाज वकास मकसूद के पारी के अंतिम ओवर में तीन छक्के और एक चौके से 27 रन बटोरे। वीस ने इसके बाद इस्लामाबाद की पारी के अंतिम ओवर में सिर्फ एक रन खर्च करके लाहौर कलंदर्स को जीत दिलाई। नौवें नंबर के बल्लेबाज मोहम्मद वसीम ने वीस की पहली दो गेंद पर एक रन लेने से इनकार किया खर्च करके लाहौर कलंदर्स को जीत दिलाई। नौवें नंबर के बल्लेबाज मोहम्मद वसीम ने वीस की पहली दो गेंद पर एक रन लेने से इनकार किया और फिर अगली गेंद पर दो रन लेने की कोशिश में रन आउट हो गए। अंतिम बल्लेबाज मकसूद ने इसके बाद डीप मिडविकेट पर कैच थमा दिया। इस्लामाबाद की ओर से आजम खान (40) शीर्ष स्कोरर रहे जबकि एलेक्स हेल्स (38) और आसिफ अली (25) ने उपयोगी पारियां खेली लेकिन अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके।

संक्षिप्त समाचार

रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण सेंट पीटर्सबर्ग की जगह पेरिस में होगा चैंपियंस लीग का फाइनल

लंदन । यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के बाद यूईएफए (यूरोपीय फुटबॉल संघों के महासंघ) ने चैंपियंस लीग के फाइनल की मेजबानी की जिम्मेदारी सेंट पीटर्सबर्ग को हटा कर पेरिस को सौंप दी है। पुरुष वर्ग का फाइनल पहले से तय कार्यक्रम के मुताबिक 28 मई को होगा, लेकिन अब इसे नए स्थल पर खेला जाएगा। यूईएफए की कार्यकारी समिति के निर्णय के बाद 80,000 दर्शकों की क्षमता वाला स्टेड डी फ्रांस इसकी मेजबानी करेगा। यूरोपीय फुटबॉल की शासी निकाय ने एक बयान में कहा यूईएफए फ्रांस के राष्ट्रपति एमेनुअल मैक्रों का उनके व्यक्तिगत समर्थन और अद्वितीय संकट के समय में यूरोपीय क्लब फुटबॉल के सबसे प्रतिष्ठित आयोजन को फ्रांस में स्थानांतरित करने की प्रतिबद्धता के लिए धन्यवाद और प्रशंसा व्यक्त करना चाहता है। उन्होंने कहा फ्रांस की सरकार के साथ यूईएफए यूक्रेन में गंभीर मानवीय पीड़ा, विनाश और विस्थापन का सामना कर रहे फुटबॉल खिलाड़ियों और उनके परिवारों के लिए बचाव के प्रावधान को सुनिश्चित करने के लिए सभी हितधारकों के साथ प्रयास कर रहा है। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि यूईएफए प्रतियोगिताओं में रूस और यूक्रेन के क्लबों और राष्ट्रीय टीम को अगली सूचना तक तटस्थ स्थानों पर खेलना होगा। स्टेड डी फ्रांस ने आखिरी बार 16 साल पहले चैंपियंस लीग फाइनल की मेजबानी की थी। तब बार्सीलोना ने 2006 के फाइनल में आर्सेनल को हराया था।

चंडीगढ़ के करणदीप कोचर ने गुजरात ओपन खिताब जीता

अहमदाबाद । चंडीगढ़ के बेहतरीन और असाधारण खिलाड़ी करणदीप कोचर ने अपनी शानदार फॉर्म जारी रखते हुए चौथे और अंतिम राउंड में दो अंडर 70 का कार्ड खेला और 10 अंडर 278 के कुल स्कोर के साथ टाटा स्टील पीजीटीआई के सत्र के पहले टूर्नामेंट गुजरात ओपन में खिताब जीत लिया। 40 लाख रुपए की पुरस्कार राशि वाले इस टूर्नामेंट में करणदीप कोचर (64-75-69-70) संयुक्त चौथे स्थान पर थे और लीडर्स से दो शॉट पीछे थे। उन्होंने अंतिम राउंड में 70 का कार्ड खेला और अपना चौथा खिताब जीत लिया। दिल्ली के अर्जुन प्रसाद भी 3 राउंड के बाद संयुक्त चौथे स्थान पर थे लेकिन 71 का कार्ड खेलकर वह खिताब जीतने से मामूली अंतर से दूर रह गए। उनका स्कोर नौ अंडर 279 रहा।

टान किन हर फिर बने भारतीय बैडमिंटन युगल कोच

नई दिल्ली । मलेशिया के टान किम हर की एक बार फिर भारतीय बैडमिंटन टीम के युगल कोच के तौर पर वापसी हो गई है। दूसरे कार्यकाल के लिये उनकी नियुक्ति हुई हैं। खेल मंत्रालय ने अब 2026 एशियाई खेलों तक पांच साल के कार्यकाल के लिए उनकी नियुक्ति को मंजूरी दी है। 50 साल के टान किम हर 2015 से 2019 तक भारत के युगल कोच थे। टोक्यो ओलंपिक के बाद डेनमार्क के 2012 ओलंपिक रजत पदक विजेता माथियास बो के जाने के बाद इस खाली पद पर उनके काबिज होने के कयास लगाये जा रहे थे और भारतीय बैडमिंटन संघ को मंत्रालय की मंजूरी का इंतजार था। अपने पहले कार्यकाल में टान ने भारतीय युगल खिलाड़ियों चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी के ऊपर बढ़ने में अहम भूमिका अदा की थी जिसमें उन्होंने 2018 राष्ट्रमंडल खेलों में व्यक्तिगत रजत के अलावा टीम स्वर्ण पदक जीते थे। शेट्टी इस समय पुरुष युगल में सात्विकसाईराज के साथ आठवीं रैंकिंग पर हैं, उन्होंने कहा, 'सात्विक और मैं बहुत खुश हैं क्योंकि टान कोच फिर हमारे साथ होंगे। उन्होंने हमें जोड़ीदार बनाया जबकि हम थोड़े हिचकिचा रहे थे। हम जिस स्तर पर हैं, क्योंकि टान कोच फिर हमारे साथ होंगे। उन्होंने हमें जोड़ीदार बनाया जबकि हम थोड़े हिचकिचा रहे थे। हम जिस स्तर पर हैं, उन्होंने हमें यहां तक पहुंचने में मदद की। हम उन्हें फिर से लाने के लिये भारतीय बैडमिंटन संघ और खेल मंत्रालय के शुक्रगुजार हैं।' यह साल भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों के लिये काफी महत्वपूर्ण है क्योंकि इसमें बड़े टूर्नामेंट जैसे राष्ट्रमंडल खेल और एशियाई खेल आयोजित होने हैं, इनके अलावा विश्व चैम्पियनशिप भी है।

यूक्रेन में फंसे पूर्व राष्ट्रीय रैपिड शतरंज चैंपियन अन्वेश, भारत लौटने के इंतजार में

चेन्नई ।

यूक्रेन पर रूस ने हमला कर दिया है। इसके बाद यूक्रेन के हालात तनावपूर्ण हैं।लोग अपना घर छोड़कर जा रहे हैं। भारतीय भी यूक्रेन से देश लौट रहे हैं। हालांकि अभी भी काफी भारतीय यूक्रेन में फंसे हुए हैं। इसमें पूर्व राष्ट्रीय रैपिड शतरंज चैंपियन अन्वेश उपाध्याय भी शामिल हैं, और वह स्वदेश लौटने के लिये बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अन्वेश अपने अपार्टमेंट में अकेले हैं।कीव के एक अस्पताल में 'गैस्ट्रोएंट्रोलॉजी' (पेट और आंत के विकार से संबंधित) की ट्रेनिंग ले रहे 30 साल के अन्वेश ने मार्च में भारत लौटने की योजना बनाई थी, लेकिन रूस ने बीते दिनों ही सैन्य कार्रवाई शुरू कर दी, जिससे उड़ान निलंबित हो गई हैं और उन्हें नहीं पता कि आगे क्या होने वाला हैं। साल 2017 के राष्ट्रीय रैपिड शतरंज चैंपियन ने कहा कि इस तरह की कार्रवाई की उम्मीद नहीं थी। यह पूरी तरह से सैन्य हमला है। इसकी उम्मीद नहीं की थी। अन्वेश ने कहा कि यूक्रेन में करीब 20 हजार भारतीय हैं और इसमें से करीब 4 हजार पिछले कुछ दिनों में वापस लौट चुके हैं। अन्वेश ने कहा कि भारत में मेरे माता-पिता काफी चिंतित हैं, इसकारण मैंने मार्च के पहले हफ्ते में जाने की योजना थी।उन्होंने कहा कि वे मुझे लगातार बुला रहे थे और मेरे स्कूल के कुछ टीचर्स भी। मैं यहां अपने अपार्टमेंट में अकेला हूं। यह हमला अचानक हो गया। इसकारण कुछ नहीं कर सका। अन्वेश ने कहा कि उन्होंने पहले यूक्रेन से रवाना होने की कोशिश की थी, लेकिन उन्हें उड़ान के टिकट नहीं मिले। साथ ही उन्होंने कहा कि तनाव बढ़ने के बाद उन्होंने अपने ऑफिस के शीर्ष अधिकारियों से स्वदेश लौटने की अनुमति ले ली थी। उन्होंने कहा कि अब वह यूक्रेन में भारतीय दूतावास के निर्देशों का इंतजार कर रहे हैं। अन्वेश ने कहा कि अभी दूतावास उचित कदम उठा रहा है कि सुरक्षित वापस लौट सकें, लेकिन हम यह अनदेखी नहीं कर सकते कि हालात मुश्किल हैं। इसलिए संयम से इंतजार कर रहे हैं।

रबादा की घातक गेंदबाजी के कारण बैकफुट पर कीवी टीम

क्राइस्टचर्च । निचले क्रम की बढ़िया बल्लेबाजी के बाद कागिसो रबादा की धारदार गेंदबाजी से द.अफ्रीका ने दूसरे क्रिकेट टेस्ट के दूसरे दिन पहली पारी में न्यूजीलैंड का स्कोर पांच विकेट पर 157 रन करके अपना पलड़ा भारी रखा। पहले मैच में करारी शिकस्त झेलने वाले दक्षिण अफ्रीका ने इससे पहले केशव महाराज (36) और मार्को जेनसन (37) के बीच नौवें विकेट की 62 रन की साझेदारी की बदौलत पहली पारी में 364 रन बनाए। न्यूजीलैंड की ओर से कोलिन डि ग्रैंडहोम ने सिर्फ 36 गेंद में अर्धशतक जड़ा और फिर काफी धीमी बल्लेबाजी करते हुए दिन का खेल खत्म होने तक नाबाद 54 रन बनाए। दूसरे छोर पर डेरिल मिशेल 29 रन बनाकर उनका साथ निभाते रहे हैं। दोनों छठे विकेट के लिए 66 रन की साझेदारी कर चुके हैं। न्यूजीलैंड की टीम अब भी दक्षिण अफ्रीका से 207 रन से पीछे है, जबकि उसके पांच विकेट शेष हैं। दूसरे दिन पहला और आखिरी घंटा छोड़कर बाकी दिन दक्षिण अफ्रीका का दबदबा रहा। टीम ने दिन की शुरुआत तीन विकेट पर 238 रन से की लेकिन न्यूजीलैंड ने लंच से पहले 60 रन पर चार विकेट चटकाकर मेहमान टीम का स्कोर सात विकेट पर 298 रन कर दिया। जेनसन और महाराज ने हालांकि नौवें विकेट के लिए अर्धशतकीय साझेदारी करके दक्षिण अफ्रीका को मजबूत स्कोर तक पहुंचा दिया। इससे पहले सलामी बल्लेबाज सेरेल इर्वी ने अपना पहला टेस्ट शतक जड़कर 108 रन बनाए। हेगले ओवल के इसी मैदान पर दक्षिण अफ्रीका की टीम पहले टेस्ट की दो पारियों में 95 और 111 रन ही बना सकी थी। रबादा ने इसके बाद न्यूजीलैंड के शीर्ष क्रम को तगड़ा झटका दिया। रबादा ने पहले ही ओवर में न्यूजीलैंड के कप्तान टॉम लैथम (00) को विकेट कीपर काइल वेरेने के हाथों कैच कराके के बाद पांचवें ओवर में विल यंग (03) को भी उनके हाथों लपकवाकर मेजबान टीम का स्कोर नौ रन पर दो विकेट किया। दक्षिण अफ्रीका में जन्में डेवोन कॉनवे 16 रन बनाकर जेनसन का शिकार बने, जबकि इस तेज गेंदबाज ने पहले टेस्ट में शतक जड़ने वाले हेनरी निकोल्स (39) को भी इर्वी के हाथों कैच कराया। रबादा ने टॉम ब्लंडेल (06) मिशेल और ग्रैंडहोम ने हालांकि इसके बाद अर्धशतकीय साझेदारी करके दिन का खेल खत्म होने तक दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजों को और सफलता हासिल नहीं करने दी।

नवजात बेटी के अंतिम संस्कार कर लौटे विष्णु सोलंकी जड़ा शतक

नई दिल्ली । बड़ौदा के बल्लेबाज विष्णु सोलंकी, जिन्होंने कुछ दिन पहले अपनी नवजात बेटी को खो दिया था। भुवनेश्वर में रणजी ट्रॉफी 2022 के मुकाबले में चंडीगढ़ के खिलाफ शानदार शतक लगाया। दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक बड़ौदा 7 विकेट पर 398 पर पहुंच गया और चंडीगढ़ पर 230 रनों की महत्वपूर्ण बढ़त हासिल कर ली, जो अपनी पहली पारी में 168 रन पर ढेर हो गए थे। पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे सोलंकी ने 161 गेंदों में नाबाद 103 रन की पारी खेली। उनकी शानदार शतकीय पारी में 12 चौके ठोक दिए है। इस दौरान बड़ौदा के बल्लेबाज को सलामी बल्लेबाज ज्योत्स्निल सिंह का समर्थन भी मिला, जिन्होंने रन आउट होने से पहले 96 रन की शानदार पारी खेली। सोलंकी अपने बड़ौदा टीम के साथियों के साथ भुवनेश्वर में थे, जब उन्हें यह दुर्भाग्यपूर्ण (नवजात बेटी की मौत) खबर मिली। इसके बाद वह अपनी बेटी के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए बड़ौदा वापस चले गए। हालांकि तीन दिन बाद उन्होंने भुवनेश्वर के लिए वापस उड़ान भरी। सौराष्ट्र के विकेटकीपर बल्लेबाज शेल्डन जैक्सन ने रणजी ट्रॉफी खेल में शतक बनाने के लिए अपनी व्यक्तिगत त्रासदी को झेलने के लिए सोलंकी की सराहना की।

मिताली ने कहा, शेफाली और रिचा घोष में शीर्ष स्तर पर चुनौती पेश करने की क्षमता

क्राइस्टचर्च ।

भारतीय कप्तान मिताली राज का मानना है, कि शेफाली वर्मा और रिचा घोष जैसी युवा खिलाड़ियों ने दिखाया है कि उनमें शीर्ष स्तर पर चुनौती पेश करने की क्षमता है। वहीं पिछली कुछ श्रृंखलाओं से अगले महीने होने वाले महिला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय विश्व कप से पहले टीम को अपना संयोजन तैयार करने में मदद मिली है। भारत ने द.अफ्रीका, इंग्लैंड, आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रृंखलाओं में कुछ नई प्रतिभाओं को आजमाया। विश्व कप न्यूजीलैंड में चार मार्च से शुरू होगा। मिताली ने कहा, 'हमने टीम में कुछ युवा प्रतिभाओं को आजमाया और उनमें से अधिकतर ने दिखाया कि उनमें इस स्तर पर खेलने की क्षमता है। इनमें रिचा, शेफाली जैसी खिलाड़ी शामिल हैं, हमारे पास तेज गेंदबाजों में मेघना सिंह, पूजा वस्त्रकार हैं।

'इन सभी को काफी मैच खेलने उन्होंने कहा, 'इन सभी को काफी मैच खेलने को मिले हैं और इन श्रृंखलाओं से कप्तान के रूप में मुझे काफी मदद मिली कि वे टीम के संयोजन में कहां फिट बैठती हैं। मिताली ने कहा कि विश्वकप में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए टीम में अनुभवी और युवा खिलाड़ियों के मिश्रण की जरूरत है। उन्होंने कहा, हमारे पास पिछले टूर्नामेंट से कुछ अनुभवी खिलाड़ी हैं, जो कोर समूह का हिस्सा हैं। उनमें से अधिकतर, यहां तक कि हाल में टीम में जगह बनाने वाली युवा खिलाड़ियों को भी लीग में खेलने का मौका मिला है। यह उन्हें द्विपक्षीय श्रृंखलाओं से अलग अनुभव देता है। मिताली ने कहा, 'जब आप बड़ी प्रतियोगिताओं में उतरते हो,तब सिर्फ युवा खिलाड़ी ही नहीं बल्कि अनुभव भी जरुरी होता है। दोनों को एक साथ लाना अच्छा मिश्रण है। रिकॉर्ड छठे आईसीसी विश्व कप में खेलने वाली मिताली ने कहा कि वह अपनी शानदार फॉर्म को जारी रखना चाहती हैं। उन्होंने कहा, 'जहां तक मेरी बात है,तब मैं अपने प्रदर्शन से खुश हूं और मैं विश्व कप में इस फॉर्म को जारी रखना चाहती हूं। भारतीय कप्तान ने कहा कि विश्व कप में पहली बार खेलने जा रही खिलाड़ियों को उन्होंने सलाह दी है कि वे दबाव नहीं लें और बड़े मंच पर खेलने का लुत्फ उठाएं। भारत विश्व कप में अपने अभियान की शुरुआत छह मार्च को पाकिस्तान के खिलाफ करेगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अनोखे म्यूजियम

क्या होता है म्यूजियम

म्यूजियम यानी संग्रहालय, ऐसी जगह का नाम है जहां पुरानी, नई व अनोखी चीजों का संग्रह किया जाता है। यहां हमारी ऐतिहासिक यादें संजोकर रखी जाती हैं, जो आने वाली पीढियों को संदेश देती हैं। यहां हमारे पूर्वजों की पांडुलिपियां, रत्न, चित्र, शिलाचित्र, किताबें आदि रखी गयी हैं।

स्टॉकिंग्स का संग्रह

टोक्यो के नैगेई संग्रहालय में 20,000 से ज्यादा स्टॉकिंग्स का संग्रह है। इसमें कुछ स्टॉकिंग बड़ी हस्तियों के हैं तो कुछ माइक्रोस्कोपिक व कुछ विशाल आकार के भी।

पास्ता को समर्पित संग्रहालय

रोम में एक ऐसे म्यूजियम का निर्माण किया गया है जो आपको इटैलियन पास्ता का इतिहास बयां करेगा। यहां पास्ता बनाने में किस तरह के बर्तन उपयोग में पहले लाए जाते थे और समय के साथ उनके बदलते रूपों को भी बारीकी से प्रदर्शित किया गया है। इसके साथ ही विभिन्न तस्वीरों के जरिए सांस्कृतिक स्वरूप भी दर्शाया गया है।

आग के लिए म्यूजियम

आस्ट्रेलिया के पेनरिथ में एक ऐसा म्यूजियम है, जो आग को समर्पित है। इस तरह के म्यूजियम की कल्पना तो कोई कर भी नहीं सकता। यहां की प्रदर्शनी में आग से बचाव के लिए विभिन्न स्थानों में किस तरह के कपड़े, वाहन व अन्य चीजें उपयोग में लाई जाती हैं आदि का प्रदर्शन किया गया है।

माइक्रो म्यूजियम

जैसा कि नाम से ही जाहिर है, यहां कितनी छोटी व बारीक चीजों का संग्रह किया गया होगा? वे लोग जो माइक्रोस्कोप से चीजों को देखना पसंद करते हैं, वे एंडोरा स्थित ओर्डिनो के माइक्रो म्यूजियम में जरूर जाएं। आर्टिस्ट निकोलई सियादृष्टि ने इस म्यूजियम के लिए काफी ख्याति पाई। उन्होंने ऐसी आकृतियों व सीन का निर्माण किया, जिसे बस माइक्रोस्कोप की सहायता से ही देखा जा सकता था। उन्होंने इन चीजों को बनाने में बाल से भी 100 गुणा पतले सोने के धागे को सम्मिलित किया।

कभी म्यूजियम घूमा है तुमने ? अगर घूमा है तो जरूर वहां पुरानी व अनोखी चीजें देख अचरज से आखें फैली होंगी तुम्हारी और अगर नहीं देखा तो अपने शहर के किसी म्यूजियम को जरूर घूम आओ। पर इससे पहले ये जानो कि दुनिया भर में कितने सारे अजीबोगरीब म्यूजियस हैं...

नाटूरकुंडे म्यूजियम

बर्लिन स्थित म्यूजियम फॉर नाटूरकुंडे में बीसवीं सदी में मिले इस जीव की हड्डियों का खासा संग्रह है। सबसे आकर्षक यहां रखा गया 41 फुट गुणा 5 इंच का ब्रेकियोसॉरस नामक दुनिया का सबसे लंबा डायनासोर है। इसका नाम तो गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड्स में भी अंकित है। इस संग्रहालय में डायनासोर व पक्षियों को जोड़ने वाले आर्कियोप्टेरिक्स का भी जीवाश्म सुरक्षित है। ऐसा ही एक म्यूजियम ऑस्ट्रेलिया में भी है, जो अपने देश का सबसे बड़ा ऐसा म्यूजियम है, जहां डायनासोर के जीवाश्म हैं। लंदन स्थित नेचुरल हिस्ट्री म्यूजियम में डायनासोर गैलरी है। यहां 160 मिलियन वर्ष का इतिहास है, जिसमें तुम्हें डायनासोर प्रजाति के जीवाश्म व 15 सेंटीमीटर लंबे दांत भी देखने को मिल जाएंगे।

लंच बॉक्स म्यूजियम

आकर्षक लंच बॉक्स किसे नहीं भाता। तुम भी अपने दोस्तों के लंच बॉक्स का खूबसूरत आकार देखकर फिदा हो जाते होगे। क्या तुम्हें पता है कि एक ऐसा म्यूजियम भी है, जहां लंच बॉक्स के ढेर लगे हैं। यह म्यूजियम जॉर्जिया के कोलम्बस में स्थित है। 56 वर्ष की उम्र में एलन वूडल ने लंच बॉक्स का यह म्यूजियम वर्ष 1991 में शुरू किया था। एलन ही म्यूजियम की देख-रेख करते रहे हैं। इसमें प्रथम विश्वयुद्ध के लंच बॉक्स भी मौजूद हैं। इसे देखने के लिए हजारों लोग यहां पहुंचते हैं। किसी लंच बॉक्स पर मिकी-डोनाल्ड और रैम्बो बने हैं, तो किसी पर सुपरमैन।

वर्ल्ड म्यूजियम डे

हमारी यादों को सहेज कर रखने वाली इस इमारत यानी म्यूजियम के लिए एक दिन भी समर्पित किया गया है। म्यूजियम के महत्व को बताने व इसके प्रति लोगों के बीच जागरूकता फैलाने के लिए संयुक्त राष्ट्र ने 1983 में 18 मई को विश्व संग्रहालय दिवस के रूप में मनाने का निर्णय किया। इस अवसर पर विभिन्न तरह के समारोह आयोजित किए जाते हैं और अपनी धरोहरों के प्रति सजग बनाया जाता है। इन सब जानकारियों के बाद एक बात तुम बच्चों के लिए- अगर तुम्हें भी चीजों का संग्रह बनाने का शौक है तो अभी और इसी वक्त जुट जाओ अपनी चीजों को जमा करने में, तभी तो बना पाओगे एक खूबसूरत संग्रहालय। अगर अपनी किसी हॉबी को तुम डेवलप करोगे तो ज्यादा बेहतर रहेगा।

टॉयलेट म्यूजियम

इस नाम को सुन कर ही तुम्हें इतना ताज्जुब हो रहा है। जब इसके बारे में सुनोगे तो और भी जिद करोगे घूमने की। दिल्ली में स्थित टॉयलेट म्यूजियम में तुम्हें पता चल जाएगा कि इसका इतिहास किस तरह से विकसित हुआ है। इस कलेक्शन में तुम्हें सोने व अन्य आभूषणों से सुसज्जित टॉयलेट भी देखने को मिल जाएंगे। अमेरिका के टेक्सास में तो एक नागरिक ने हद ही कर दी। उसने करीब 100 टेबल से अपने टॉयलेट को सजा लिया, साथ ही उसे विभिन्न रंगों से पेंट कर सजा दिया।

ट्यूलिप म्यूजियम

कल्पना करो, कितना खूबसूरत म्यूजियम होगा, जहां फूलों के खूबसूरत दृश्य हर तरफ बिखरे हों। यह म्यूजियम ऐतिहासिक एम्स्टर्डम के दिल में स्थित है। यहां की हर वस्तु ट्यूलिप की खुशबू व उस पर बनी फिल्मों को दिखाती है। इस फूल के दीवाने तुर्क साम्राज्य के सुल्तानों और गोल्डन एज के डच व्यापारी से आज के माली तक हैं। दुनियाभर के लोगों को इसने मोहित किया है।

रोचक है यह भी...

पुर्तगाली खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने अपने प्रशंसकों के लिए एक म्यूजियम का निर्माण किया है। इसमें उन्होंने भविष्य में जीतने वाली ट्रॉफियों के लिए भी म्यूजियम में एक अतिरिक्त कमरा रखा है। रोनाल्डो के पैतृक निवास स्थित इस म्यूजियम में 125 से अधिक ट्रॉफियों को प्रदर्शित किया गया है। यहां तक कि उनकी पहली ट्रॉफी पर वो तारीख भी अंकित है, जब रोनाल्डो ने आठ-साल की उम्र में क्लब एन्डोरिन्हा से खेलते हुए सबसे ज्यादा गोल दागे थे।

नेशनल साइंस सेंटर

देव चोल द्वारा निर्मित भगवान शिव के मन्दिर का मॉडल यहां रखा हुआ है, जो भारतीय सभ्यता का सूचक है। इस गैलरी में तकनीक एवं समाज के बीच संबंध तथा सूचना तकनीक के क्षेत्र में क्रांतिकारी घटनाओं का भी उल्लेख किया गया है...

भारत सरकार ने बच्चों को विज्ञान से संबंधित जानकारियां उपलब्ध कराने के लिए कई विज्ञान केंद्र खोले हैं। एक विज्ञान केंद्र दिल्ली के प्रगति मैदान के पास भी है। इसे नेशनल साइंस सेंटर के नाम से जाना जाता है। विज्ञान केंद्र में प्रवेश करते ही तुम्हें नोबेल पुरस्कार विजेता दीर्घा नजर आएगी। इसमें नोबेल पुरस्कारों के जन्म की कहानी दर्शाई गई है। थोड़ा आगे बढ़ने पर आपको कई मॉडल रखे हुए दिखेंगे। जब हम दूसरी दीर्घा में प्रवेश करते हैं तो वहां पर राशि चक्र, सूर्य राशि चक्र के मॉडल मिलते हैं, जो पूर्णतः गणित पर आधारित हैं। 5,000 सालों में प्राचीन भारत के गणित, खगोल शास्त्र, चिकित्सा, रसायन शास्त्र को दर्शाया गया है। क्राफ्ट में मीनाकारी की कला, संगमरमर का जड़ाऊ काम, जरी का काम, ताजमहल का मॉडल, प्राचीन प्रयोगशाला, आदिवासियों द्वारा लौह निर्माण कैसे होता था आदि के मॉडल भी रखे गए हैं। 1000 ई. में देव चोल द्वारा निर्मित भगवान शिव के मन्दिर का मॉडल भी रखा हुआ है, जो भारतीय सभ्यता का सूचक है। इस गैलरी में तकनीक एवं समाज के बीच संबंध तथा सूचना तकनीक के क्षेत्र में क्रांतिकारी घटनाओं का भी उल्लेख किया गया है। यहां ऊंटी रेडियो टेलिस्कोप और एटोमिक रिएक्टर के मॉडल भी रखे हुए हैं। जब डायनासोर पृथ्वी पर रहा करते थे, उस समय को भी दिखाया गया है। पूरा परिवेश उसी काम का बनाया गया है। वहां डायनासोर की आवाज सुनकर तो बच्चे डर ही जाते हैं। यहां पर डायनासोर की चार सजीव आकृतियां भी रखी हैं। आपको एक गैलरी वैज्ञानिकों की दिखाई देगी। इसे 'फन साइंस गैलरी' कहते हैं। इसमें सौर उर्जा, रॉकेट, वैज्ञानिक व उनके अविष्कारों के बारे में जानकारी उपलब्ध है। इन्फॉर्मेशन गैलरी में रेत घड़ी का मॉडल, पुराने टाइपराइटर, फिल्म स्टूडियो का मॉडल तथा ग्रामोफोन के मॉडल भी रखे हैं। साहित्यिक पत्रिका 'अमृत बाजार' भी रखी है। एक साथ बहुत सारी जानकारियां ले सकते हैं बच्चे इस विज्ञान केंद्र से। विज्ञान केंद्र सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक खुला रहता है। डायनासोर हब में जाने के लिए अलग से टिकट लेना पड़ता है। इसमें एंट्री के लिए दस रुपए का टिकट लगता है।

मैथ्स सॉल्व करो... एक क्लिक पर

मैथ के भूत को भगाने के लिए हम आज तुम्हारे लिए लेकर आए हैं एक ऐसी वेबसाइट, जहां क्लिक करते ही तुम्हारा मैथ का भूत कोसों दूर भाग जाएगा और तुम मैथ को अपना दोस्त बना लोगे।

मैथ के भूत से तुम अक्सर परेशान रहते हो ना। तुम में से अधिकांश बच्चों को मैथ्स के क्वेश्चन सॉल्व करने में परेशानी होती है। स्कूल में तो टीचर तुम्हारी मदद कर देते हैं, लेकिन घर आते ही तुम भूल जाते हो। जब होमवर्क करना होता है या स्कूल में पढ़ाए गए चैप्टर को सॉल्व करना होता है तो दिन में तुम्हें तारे दिखने लगते हैं। ढेरों परेशानी सामने आने लगती हैं और स्कूल में बताए गए ट्रिक भी याद नहीं आते। ऐसे समय में चिंता करने की कोई बात नहीं है, इंटरनेट पर तुम्हारे मैथ के भूत को भगाने के लिए कई सारी वेबसाइट्स मौजूद हैं। उन्हीं में से एक प्रमुख वेबसाइट्स है- एमैथ्सडिक्शनरीफॉर किड्सडॉटकॉम।

http://www.amathsdictionaryforkids.com/ यह वेबसाइट खासकर उन बच्चों के लिए ही बनाई गई है, जो मैथ्स को अपने लिए परेशानी का सबब मानते है। इस वेबसाइट पर एनिमेटेड तरीके से मैथ्स डिक्शनरी है, जो काफी इंटरैक्टिव है। यहां पर 600 मैथमेटिकल टर्म्स एंड मैथमेटिकल वर्ड्स को बहुत ही साधारण और सरल भाषा में समझाया गया है। इनको पढ़ते हुए तुम्हें किसी की भी मदद लेने की जरूरत ही नहीं पड़ेगी। तुम आसानी से इन सभी टर्म्स और वर्ड्स को समझ जाओगे और हमेशा के लिए याद कर लोगे। मैथ के डेफिनेशन और सवालों को उदाहरण, एक्टिविटीज, प्रैक्टिस और कैलकुलेटर के सहारे काफी सहज तरीके से बताया गया है, ताकि तुम बच्चों के मन से मैथ का भूत भाग जाए। इतना ही नहीं, 200 मैथमेटिकल चार्ट्स को भी काफी आसानी और मजेदार तरीके से बताया गया है। यह इतना मजेदार तरीके से बताया गया है कि देखते ही याद हो जाएगा। इसके अलावा उदाहरणों के सहारे तुम मैथ्स चार्ट्स, नम्बर सिस्टम, फ्रैक्शन, डेसिमल, पर्सेंटेज, रेशियो एंड रेट्स, अल्जेब्रा, डाटा एंड स्टैटिसटिक्स, प्रोबैबिलिटी, ज्योमैट्री, मेजरमेंट, टाइम एंड मनी जैसे मैथ्स के सभी प्रमुख सेक्शन को काफी आसानी और मजेदार तरीके से समझ सकते हो। तो देर किस बात की, बस इंटरनेट ऑन करो, इस वेबसाइट के लिंक पर क्लिक करो और देखो इसका कमाल।

भारत, चीन पर गिर सकती है आईएसएस की गाज

मॉस्को।

युक्रेन पर हमले के बीच रूस की अंतरिक्ष एजेंसी प्रमुख ने अमेरिका को आगाह करते हुए चेतावनी दी है कि मॉस्को पर लगाए गए कई प्रतिबंध अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष केन्द्र (आईएसएस) पर हमारे सहयोग को नष्ट कर सकते हैं और वाशिंगटन से पूछा कि क्या वह भारत व चीन को 500 टन की संरचना उन पर गिरने की आशंका के साथ खतरे में डालना चाहता है।रूस और अमेरिका आईएसएस कार्यक्रम में प्रमुख भागीदार हैं, जिसमें कनाडा, जापान, फ्रांस, इटली और स्पेन जैसे कई यूरोपीय देश भी शामिल हैं। गुरुवार को यूक्रेन के खिलाफ रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन द्वारा विशेष सैन्य अभियान का आदेश दिए जाने के बाद, अमेरिका और उसके सहयोगियों ने चार बड़े रूसी बैंकों की संपत्ति अवरुद्ध करने, निर्यात नियंत्रण लागू करने और पुतिन के करीबियों पर प्रतिबंध लगाने का फैसला किया है। खबरों के मुताबिक, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन द्वारा बृहस्पतिवार को नए प्रतिबंधों की घोषणा कि रूस के अंतरिक्ष कार्यक्रम सहित उनके एयरोस्पेस उद्योग को प्रतिष्ठाहीन किया जाएगा, रोस्कोस्मोस के महानिदेशक दिमित्री रोगोजनि ने शुक्रवार को ट्वीट किया कि आईएसएस की कक्षा और अंतरिक्ष में स्थान रूसी इंजनों द्वारा नियंत्रित होते हैं।

रोगोजिन ने रूसी भाषा में ट्वीट किया, यदि आप हमारे साथ सहयोग को बाधित करते हैं, तो कौन अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) को अनियंत्रित होकर कक्षा से बाहर जाने और अमेरिका या यूरोप में गिरने से बचाएगा? उन्होंने कहा कि इस बात की भी आशंका है कि 500 टन का ढांचा भारत या चीन पर गिर जाए। रूसी अंतरिक्ष एजेंसी के प्रमुख ने पूछा, क्या आप उन्हें ऐसे परिदृश्य से खतरे में डालना चाहते हैं? आईएसएस रूस के ऊपर से उड़ान नहीं भरता है, इसलिए सभी जोखिम आपके हैं। क्या आप उनके लिए तैयार हैं? न्यूयॉर्क स्थित एक खगोल विज्ञान समाचार वेबसाइट के अनुसार, उन्होंने एक ट्वीट में लिखा है, क्या आप आईएसएस पर हमारे सहयोग को नष्ट करना चाहते हैं? इसमें कहा गया कि आईएसएस का रूसी खंड पूरे परिसर के लिए मार्गदर्शन, नेविगेशन (वायुयान संचालन) और नियंत्रण के लिए जिम्मेदार है। रूसी प्रगति आईएसएस के लिए आवधिक कक्षा-बढ़ाने का भी काम देखती है

यूक्रेन के बाद पुतिन की फिनलैंड को धमकी, नाटो में शामिल होने पर होगा भंयकर परिणाम

हेलसिंकी ।

यूक्रेन पर हमले के बाद रूस ने पड़ोसी देश फिनलैंड को भी धमकी दी है। रूस ने कहा है कि अगर यूक्रेन पर आक्रमण के बाद फिनलैंड नाटो में शामिल होता है, तब इसके बुरे परिणाम भुगतने पड़े सकते हैं। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन के खिलाफ सैन्य कार्रवाई की घोषणा कर दी थी। हालांकि, रूस के इस कदम का कई पश्चिमी देशों ने विरोध किया है। रिपोर्ट के अनुसार, रूस ने शुक्रवार को पड़ोसी फिनलैंड को यूक्रेन पर हमले के बाद नाटो में शामिल होने का विकल्प चुनने पर 'गंभीर सैन्य और राजनीतिक' नतीजों की चेतावनी दी है। रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जाखारोवा ने कहा कि फिनलैंड के नाटो में जुड़ने के 'नुकसानदायक नतीजा होगा। फिनलैंड की प्रधानमंत्री सना मारिन ने कहा कि नाटो की सदस्यता को लेकर देश के भीतर जारी बहस यूक्रेन पर आक्रमण के बाद 'बदल जाएगी। इसके अलावा मारिन और राष्ट्रपति सौली नीनिस्तो ने यूक्रेन पर रूस के आक्रमण की निंदा की है। नीनिस्तो ने नाटो की सदस्यता के लिए तत्काल आवेदन के जरिए घटनाओं पर प्रतिक्रिया देने की संभावनाओं से इनकार किया है।

रूस ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के उस प्रस्ताव पर वीटो कर दिया है, जिसमें मॉस्को से यूक्रेन पर हमला रोकने और सभी सैनिकों को वापस बुलाने की मांग की गई है। अमेरिका और उसके समर्थक जानते थे कि यह प्रस्ताव विफल हो जाएगा, लेकिन उन्होंने दलील दी कि इससे रूस अंतरराष्ट्रीय रूप से अलग-थलग पड़ेगा।संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में शुक्रवार को इस प्रस्ताव के पक्ष में 11 और विपक्ष में एक मत पड़ा।चीन, भारत और संयुक्त अरब अमीरात मतदान से दूर रहे।

भारत के उत्कृष्ट स्कूल 'वर्ल्ड्स बेस्ट स्कूल प्राइज' स्पर्धा में भाग लेने के लिए आमंत्रित

लंदन ।

शैक्षणिक रूप से उन्नत भारतीय स्कूलों को 'वर्ल्ड्स बेस्ट स्कूल प्राइज' स्पर्धा में हिस्सा लेने के लिए आमंत्रित किया गया है। इसमें इनामी राशि 2,50,000 डॉलर है। इसका आयोजन लंदन का टी4 एजुकेशन और व्यावसायिक सेवा प्रदाता असेंचर मिलकर कर रहे हैं। पुरस्कार की शुरुआत इसी माह की गई है और इसकी अवधारणा खासतौर पर कोविड-19के वक्त समाज की प्रगति में अहम भूमिका निभाने के लिए स्कूलों को सम्मानित करने की है। इसका लक्ष्य ऐसे स्कूलों को सामने लाने का है जो अपने छात्रों के जीवन में बदलाव ला रहे हैं। गैर लाभकारी संगठन 'टीच फॉर इंडिया' की मुख्यकार्यकारी अधिकारी शाहीन मिस्त्री ने कहा, 'भारत और दुनियाभर में हमने 650 दिन शिक्षा में बाधा को देखा है। स्कूल और उनके शिक्षकों ने इतने बड़े संकट के वक्त में छात्रों को शिक्षित करने के लिए अथक प्रयास किए हैं।' मिस्त्री इस नए पुरस्कार के लिए 'जजिंग अकादमी' (निर्णायक मंडल) का हिस्सा हैं।

उन्होंने कहा, 'अगर हम कोविड के दृष्टिगत शिक्षा में सुधार चाहते हैं तो हमें उनकी उपलब्धियों पर जश्न मनाना चाहिए और जिन चुनौतियों का उन्होंने सामना किया है, उनके समाधानों से सीखना चाहिए।' पुरस्कार के लिए कई श्रेणियां है और हर श्रेणी के लिये छांटे गए शीर्ष 10 नामों की घोषणा इस वर्ष बाद में की जाएगी।

रूसी मिसाइल ने कीव में आवासीय इमारत को बनाया निशाना

कीव ।

रूसी सैनिकों ने कीव पर हमला शुरू दिया। सरकारी इमारतों के निकट गोलीबारी और विस्फोटों की आवाजें गूंज रही थीं। रूसी कार्रवाई से यूरोप में व्यापक युद्ध की आशंका पैदा, वहीं रोकने के लिए दुनियाभर में प्रयास भी शुरू हो गए हैं। युद्ध से सैकड़ों लोगों के हताहत होने की सूचनाओं के बीच कीव में इमारतों, पुलों और स्कूलों के सामने भी गोलीबारी और विस्फोटों की घटनाएं हुई हैं। यूक्रेनी सेना ने कहा कि हमारी सेना ने युद्ध प्रभावित देश में भारी लड़ाई के बीच 1,000 से अधिक रूसी सैनिकों को मार गिराया है। हालांकि रूसी सेना ने अभी तक हताहतों की संख्या का खुलासा नहीं किया है। इस बीच संयुक्त राष्ट्र ने कहा कि चल रहे रूसी आक्रमण में अब तक 25 नागरिक मारे और 102 घायल हो गए। यूक्रेन ने दावा किया कि हमारी सेना ने कम से कम 80 टैंक, 516 बख्तरबंद लड़ाकू वाहन, सात हेलीकॉप्टर, 10 विमान और 20 क्रूज मिसाइलों को नष्ट कर दिया है, जबकि रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसके सैनिकों ने यूक्रेन में 211 सैन्य बुनियादी सुविधाओं को नष्ट कर दिया है। यूक्रेनी सेना ने कहा कि रूसी सैनिकों ने मुख्य कीव एवेन्यू पर स्थित एक सैन्य अड्डे पर हमला किया, लेकिन हमले को रद्द कर किया। यूक्रेन की सेना ने कहा कि रूस ने कीव में विक्ट्री एवेन्यू पर सैन्य इकाइयों में से एक पर हमला किया। रूसी और यूक्रेनी सेनाएं कीव के बाहरी इलाके में भिड़ गईं क्योंकि अधिकारियों ने नागरिकों से दशकों में सबसे खराब यूरोपीय सुरक्षा संकट में रूसी सेना को आगे बढ़ने से शहर की रक्षा करने में मदद करने का आग्रह किया। कई रिपोर्टें सामने आईं, जिसमें दावा किया गया कि इस क्षेत्र में अंतिम कुछ मिनटों में दर्जनों विस्फोट सुने गए है।

संक्षिप्त समाचार

यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने अमेरिका का प्रस्ताव ठुकराया

कीव । यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के तीसरे दिन हालात असमंजस बने हुए हैं। इस बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोदिमिर जेलेंस्की ने राजधानी कीव को छोड़ने से इनकार कर दिया है। बता दें कि, अमेरिका ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोदिमिर जेलेंस्की को कीव से सुरक्षित निकालने का प्रस्ताव दिया था जिसे अब जेलेंस्की ने साफ ठुकरा दिया है और कहा कि, मैं कीव नहीं छोड़ूंगा, हमें कार नहीं हाथियार चाहिए। जानाकारी के मुताबिक, राष्ट्रपति जेलेंस्की व्यक्तिगत रूप से कीव की सुरक्षा के प्रभारी हैं और वो कहीं जानेवाले नहीं हैं। इन सबके बीच यूक्रेन के कई शहरों पर रूसी हमले लगातार हो रहे हैं। बताया जा रहा है कि, कीव में रूस की सेना घुस चुकी है और वहां यूक्रेन के सैनिकों से जबरदस्त लड़ाई चल रही है। वहीं कीव के मध्य इलाकों में भी जबरदस्त गोलीबारी और धमाकों की आवाज गूंजती हुई नजर आ रही है। कीव के कई इलाकों मपर रूसी सैनिकों का कब्जा हो गया है। अमेरिका का ऑफर टुकराने से पहले भी जेलेंस्की ने एक वीडियो संदेश जारी कर यूक्रेन के नागरिकों से हथियार उठाने की अपील की थी। समाचारों के अनुसार पूरे यूक्रेन में लड़ाई जारी है।

विश्व बैंक के भारत प्रमुख जुनैद कमाल अहमद संस्थान के उपाध्यक्ष नियुक्त

वाशिंगटन । विश्व बैंक के भारत प्रमुख जुनैद कमाल अहमद को ऋण देने के अंतरराष्ट्रीय संस्थान का उपाध्यक्ष नियुक्त किया है। आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, अहमद उपाध्यक्ष, ऑपरेशंस के तौर पर बहुपक्षीय निवेश गारंटी एजेंसी (एमआईजीए) का नेतृत्व करेगा। वह दूसरे बांग्लादेशी नागरिक हैं, जिन्हें विश्व बैंक के इतिहास में इतने बड़े पद पर नियुक्त किया गया है। अहमद 18 अप्रैल से नया पद संभालने वाले है। फैसल चौधरी पहले बांग्लादेशी नागरिक थे, जो ऑपरेशंस, उपाध्यक्ष बने थे। अहमद ने कहा,हमारी (विश्व बैंक) भारत के साथ साझेदारी दुनियाभर की चीजों को सीखने और साझा करने दे रही है। सबसे महत्वपूर्ण बात हैं कि जैसे ही भारत का आर्थिक विकास होता है, तब वैश्विक वृद्धि और गरीबी पर असर सबसे अहम है।'' अहमद सितंबर 2016 से भारत में विश्व बैंक के निदेशक रहे हैं। उन्होंने कहा कि विकास को वित्तपोषण देने में चुनौती दीर्घकालीन पूंजी बाजार को जुटाने में है। उन्होंने कहा, अगर आप विकास की चुनौतियों को देखे, चाहे वह महामारी से निपटना हो, जलवायु परिवर्तन से निपटना या बुनियादी ढांचे से निपटना हो, इन सभी में दीर्घकालीन धन की आवश्यकता होगी।'

यूक्रेन संकट के बीच रोम स्थित रूसी दूतावास पहुंचे पोप फ्रांसिस, जताई चिंता

रोम । विश्व में ईसाइयों के शीर्ष धर्म गुरु पोप फ्रांसिस ने असाधारण पहल करते हुए रोम स्थित रूसी दूतावास जाकर यूक्रेन में जारी युद्ध को रोकने की अपील की और इस युद्ध को लेकर चिंता व्यक्त की। इसके बाद पोप फ्रांसिस ने यूक्रेन के एक शीर्ष ग्रीक कैथोलिक नेता को आश्वासन दिया कि वह इस युद्ध को रोकने के लिए जो कुछ कर सकते हैं, वह करेंगे। पोप ने कहा, 'मैं जो कुछ भी कर सकता हूं, करूंगा।' पोप की इस पहल को इसलिए असाधारण माना जा रहा है, क्योंकि आम तौर पर सभी राष्ट्राध्यक्ष और राजनयिक पोप से मुलाकात करने के लिए वेटिकन आते हैं। कूटनीतिक प्रोटोकॉल के तहत वेटिकन के विदेश मंत्री को रूस के राजदूत को तलब करना चाहिए था। पोप का रूसी दूतावास जाना इस बात को दर्शाता है कि वह यूक्रेन में रूस के आक्रमण को लेकर बेहद नाराज हैं और वह इसे जल्द से जल्द समाप्त होते देखना चाहते हैं इसीलिए उन्होंने व्यक्तिगत रूप से रूसी दूतावास जाकर युद्ध रोकने की अपील की है।

देश प्रेमी यूक्रेनी महिला रूस के हथियारबंद सैनिक से भिड़ी, लोगों ने की सराहना

कीव ।

रूस-यूक्रेन में जारी घमासान के बीच सोशल मीडिया पर कई वीडियो वायरल हो रहे हैं। इसमें एक यूक्रेनी महिला हथियारबंद रूसी सैनिक से भिड़ती नजर आ रही हैं। महिला को रूसी सैनिक समझाने की कोशिश करते हैं, लेकिन महिला ने रूसी सैनिक को जो जवाब दिया उसके बाद से उसकी खूब सराहना हो रही है। दरअसल, बीच सड़क पर महिला हथियारबंद रूसी सैनिक से भिड़ जाती है। उसे खूब खरी-खोटी सुनाती है। उसे रूसी सैनिक शांत रहने को कहता है, जिसके बाद महिला जवाब देती है कि तुमने हमारी जमीन पर कब्जा किया है। तुम फासीवादी हो! तुम बंदूकों के साथ हमारी जमीन पर क्या कर रहे हो? फिर महिला ने रूसी सैनिक से पॉकेट में सूरजमुखी का बीज रखने को कहा और बोला कि तुम्हारी मिट्टी से भी सूरजमुखी ही उगेंगे। इस वीडियो को देख महिला के साहस की सराहना हो रही है। एक ट्विटर यूजर ने कहा, ÷यूक्रेन में आने वाले दिन और रात लंबे और कठिन होने की आशंका है। लगता है कि पुतिन जितना बर्दाश्त कर सकते हैं उससे ज्यादा उन्हें मिलने वाला है। इधर, क्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा है कि तीन दिनों के युद्ध में उनके 137 हीरोज ने जान गंवाई हैं। इनमें 10 सैन्य अधिकारी हैं। यूक्रेन की सेना का दावा है कि उन्होंने 1000 से ज्यादा रूसी सैनिकों को मार गिराया है। वहीं रूसी रक्षा मंत्रालय का दावा है कि उन्होंने यूक्रेन के 211 सैन्य ठिकानों को नष्ट कर दिया है।

इधर यूक्रेन का दावा है कि उन्होंने रूस के कम से कम 80 टैंक, 516 बख्तरबंद गाड़ियां, 7 हेलिकॉप्टर, 10 एयरक्रॉफ्ट, और 20 क्रूज मिसाइलों को नष्ट कर दिया है। दुनियाभर के देश इस जंग का विरोध कर रहे हैं। ऐसे में बुल्गारिया ने भी रूसी विमानों के लिए अपना एयर स्पेस को बंद कर दिया है। अमेरिका ने पहले ही रूस के राष्ट्रपति पुतिन और विदेश मंत्री समेत कई लोगों की संपत्ति फ्रीज करने का फैसला किया है

भारत ने बहुत ही समझदारी दिखाते हुए सुरक्षा परिषद में लिया निर्णय : अमेरिका

न्यूयॉर्क।

यक्रेन रूस संकट पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में हुई बैठक में भारत के निर्णय को अमेरिका ने उचित बताया है। भारत के लिए यह एक बड़ी चुनौती थी। उसे अपने दोस्त रूस और रणनीतिक साझेदार अमेरिका में से किसी एक का चयन करना था। ऐसे में रूस के खिलाफ लाए गए निंदा प्रस्ताव में वोटिंग से परहेज कर भारत ने फिलहाल दोनों हितों को साधने की कोशिश की है। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन के प्रशासन ने कहा कि भारत के रूस के साथ संबंध, अमेरिका और रूस के बीच संबंधों से अलहदा है और इसमें परेशानी की कोई बात नहीं है। अमेरिका ने कहा कि उसने रूस के साथ संबंध रखने वाले हर देश से नियम आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को सुरक्षित रखने में अपने प्रभाव का इस्तेमाल करने को कहा है। विदेश विभाग के प्रवक्ता नेड प्राइस ने कहा कि भारत के साथ अमेरिका के अहम हित और मूल्य जुड़े हुए हैं। प्राइस ने शुक्रवार को दैनिक संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'भारत के साथ हमारे अहम हित जुड़े हुए हैं। हम भारत के साथ अहम मूल्य साझा करते हैं, और हम जानते हैं कि भारत के रूस के साथ संबंध उन संबंधों से अलग हैं जो हमारे और रूस के बीच हैं और सही में इसमें कोई परेशानी की बात नहीं है।' गौरतलब है कि यूक्रेन में रूस की सैन्य कार्रवाई को लेकर सहमति वाले प्रस्ताव में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने स्थानीय समयनुसार शुक्रवार और भारतीय समयनुसार शनिवार सुबह वोटिंग की गई। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, नार्वे, आयरलैंड, अल्बानिया, गबोन, मैक्सिको, ब्राजील, घाना और केन्या ने निंदा प्रस्ताव का समर्थन किया। वहीं भारत के लिए इसमें रूस और अमेरिका में से किसी एक का साथ देना था। भारत ने बहुत ही समझदारी दिखाते हुए रूस के हमले की निंदा तो की लेकिन वोटिंग से परहेज किया। यूक्रेन पर रूसी हमले के बीच पाकिस्तान के रुख पर जब नेट प्राइस से सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि अमेरिका ने पहले ही पाकिस्तान को इस बात से अवगत करा दिया था कि रूसी आक्रेमण का खतरा है और अब यूक्रेन पर रूसी आक्रमण का मतलब क्या है। उन्होंने कहा, भारत की तरह ही पाकिस्तान भी ठीक तरह से ये जानता है कि इस युद्ध में हम कहां खड़े हैं। यहां फिर से उन नियमों, मानदंडों और दिशानिर्देशों की बात आ जाती है जो भारत, पाकिस्तान, अमेरिका सभी को, रूस को भी लाभ पहुंचाते हैं।

तालिबान की रुस और यूक्रेन से शांति बनाए रखने की अपील की

काबुल । विश्व उस दिन को कभी नहीं भूलेगा, जब 2021 में अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने अफगानिस्तान से अपनी सेना को वापस बुलाने की घोषणा की थी। बाइडेन की घोषणा ने पूरे विश्व में हलचल होने के साथ ही एक मुल्क(अफगानिस्तान) का अस्तित्व ही खत्म कर दिया था। एक देश जहां 20 सालों से अमेरिकी सेना ने तालिबानियों को कंट्रोल में रखा था, अचानक सेना देश छोड़कर वापस जाती हैं, और देश की सरकार तालिबानियों के आगे हथियार डाल देते ही। देश का राष्ट्रपति रातों रात जनता को बेहाल छोड़कर भाग जाता है। तालिबानी देश में आतंक मचाते हैं, खुलेआम मारकाट करते हैं और जबरत देश पर कब्जा कर लेते हैं। हिंसा से अफगानिस्तान पर कब्जा करने वाला देश तालिबान में रूस और यूक्रेन युद्ध को लेकर अपनी चिंता प्रकट कर हालात पर अपना राय दी हैं। तालिबान ने बयान जारी कर नागरिकों के हताहत होने की वास्तविक संभावना पर चिंता व्यक्त कर रूस और यूक्रेन को हिंसा से दूर रहने को कह दिया हैं। बयान में कहा गया है, अफगान का इस्लामी अमीरात यूक्रेन में स्थिति की बारीकी से निगरानी कर रहा है,और नागरिकों के हताहत होने की वास्तविक संभावना के बारे में चिंता व्यक्त करता है। इस्लामिक अमीरात दोनों पक्षों से संयम बरतने का आह्वान करता है। सभी पक्षों को ऐसी स्थिति लेने से बचना चाहिए जो हिंसा को तेज कर रही है। तालिबान ने 15 अगस्त, 2021 को सैन्य हमले के माध्यम से अफगान पर कब्जा कर लिया। कंधार, हेरात,मजार-ए-शरीफ, जलालाबाद और लश्कर गाह जैसे प्रमुख शहरों के बिना प्रतिरोध के गिरे क्योंकि अमेरिकी सेना युद्धग्रस्त अफगानिस्तान से 20 साल बाद पीछे हट गई।

अमेरिका को भारत-रुस के मजबूत संबंधों से कोई दिक्कत नहीं : नेड प्राइस

वाशिंगटन । अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन ने कहा कि भारत के रूस के साथ संबंध, अमेरिका और रूस के बीच संबंधों से अलहदा हैं, इसमें परेशानी की कोई बात नहीं है। अमेरिका ने कहा कि उसने रूस के साथ संबंध रखने वाले हर देश से नियम आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को सुरक्षित रखने में अपने प्रभाव का इस्तेमाल करने को कहा है। विदेश विभाग के प्रवक्ता नेड प्राइस ने कहा कि भारत के साथ अमेरिका के अहम हित और मूल्य जुड़े हुए हैं। प्राइस ने कहा, भारत के साथ हमारे अहम हित जुड़े हुए हैं। हम भारत के साथ अहम मूल्य साझा करते हैं, और हम जानते हैं, कि भारत के रूस के साथ संबंध उन संबंधों से अलग हैं, जो हमारे और रूस के बीच हैं। सही में इसमें कोई परेशानी नहीं है।'' उन्होंने कहा, भारत के रूस के साथ मजबूत रिश्ते हैं, जो हमारे यकीनन नहीं हैं। भारत और रूस के बीच रक्षा और सुरक्षा के क्षेत्र में संबंध हैं, जो हमारे बीच नहीं है.हमने प्रत्येक देश से कहा है कि जिनके संबंध हैं और जो लाभ ले सकते हैं वे उसका इस्तेमाल रचनात्मक तरीके से करें। गौरतलब है कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बुधवार को पूर्वी यूक्रेन में विशेष सैन्य अभियान की घोषणा की और उसके बाद से दोनों देशों के बीच हमले जारी है।

चीन के खिलाफ भारत के साथ अमेरिका खड़ा रहेगा, न की रुस : रो खन्ना

वाशिंगटन । प्रतिष्ठित भारतीय-अमेरिकी सांसद रो खन्ना ने यूक्रेन पर रूस के हमले पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव पर मतदान में भाग नहीं लेने पर भारत के फैसले पर नाखुशी जाहिर कहा कि चीन की मौजूदा विस्तारवादी योजनाओं के खिलाफ नई दिल्ली के साथ अमेरिका खड़ा रहेगा न कि रूस खड़ा होगा। भारत, चीन और संयुक्त अरब अमीरात रूसी हमले के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र प्रायोजित प्रस्ताव पर मतदान से दूर रहे,जबकि रूस ने इस पर वीटो किया। इस प्रस्ताव के पक्ष में 11 और विपक्ष में एक वोट पड़ा। अमेरिका, ब्रिटेन, रूस, चीन और फ्रांस परिषद के स्थायी सदस्य हैं,उनके पास वीटो का अधिकार है। भारत इसका स्थायी सदस्य नहीं है, उसका दो साल का मौजूदा कार्यकाल इस साल खत्म हो रहा है। कैलिफोर्निया से सांसद खन्ना ने ट्वीट किया, राष्ट्रपति जॉन एफ केनेडी 1962 में चीनी आक्रमण के खिलाफ भारत के साथ खड़े रहे थे। साथ ही चीन की मौजूदा विस्तारवादी योजनाओं के खिलाफ भारत के साथ अमेरिका खड़ा रहेगा न कि रूस।

पुतिन के फैसले का देश में ही विरोध, लोगों ने कहा तुम हिटलर हो

मास्को ।

दुनिया अभी तक दो विश्व युद्ध देख चुकी हैं, जिसमें सालों तक जंग लड़ी गई, लेकिन खून के सिवा और कुछ नहीं मिला। जो हारा वहां खत्म हो गया, लेकिन जो जीता वहां भी काफी हद तक तबाह हो गया। विश्व की सबसे बड़ी ताकत ब्रिटेन इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। एक समय था, ब्रिटेन का आधी दुनिया पर कब्जा था, लेकिन दूसरे विश्व युद्ध के बाद उसके कमर टूट गई। दूसरे विश्व युद्ध के बाद विश्व की सबसे बड़ी ताकत के रूप में अमेरिका और रूस उभरा था। अमेरिका-रूस में लंबे समय तक शीत युद्ध चला लेकिन सभी को पता था कि यदि युद्ध हुआ, तब दोनों तबहा हो जाएंगे। दुनिया तीसरे विश्व युद्ध को झलने की स्थिति में नहीं हैं। हालात बहुत नाजुक है, अभी दुनिया कोरोना महामारी से ही लड़ रही थी कि रूस ने यूक्रेन पर हमला करके एक और बड़ी समस्या को विश्व के सामने खड़ा कर दिया है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन द्वारा यूक्रेन के खिलाफ युद्ध की घोषणा के कुछ ही देर बाद, देश भर के रूसी नागरिक उनके कार्यों की निंदा करने के लिए सड़कों पर उतर आए। लोगों ने सड़को पर पुतिन के खिलाफ प्रदर्शन किया। उन्होंने युद्ध खत्म करने की मांग की। प्रदर्शनकारी स्थानीय समयानुसार शाम करीब 7 बजे ऐतिहासिक गोस्टिनी ड्वोर शॉपिंग आर्केड के बाहर सेंट पीटर्सबर्ग सहित कई अन्य शहरों में भी सड़कों पर उतरे। भारी पुलिस बल की पृष्ठभूमि में कुछ लोगों ने राष्ट्रपति की कठोर निंदा की। संयुक्त राष्ट्र के यूरोपीय मुख्यालय के बाहर नोबेल शांति पुरस्कार विजेता अंतर्राष्ट्रीय अभियान टू एबोलिश न्यूक्लियर वेपन्स द्वारा आयोजित जिनेवा में एक छोटा सा प्रदर्शन, समूह ने जो कहा वह परमाणु हथियारों का उपयोग करने के लिए पुतिन की धमकी की निंदा करता है। अन्य प्रदर्शन बेरूत, तेल अवीव, डबलिन और प्राग में आयोजित किए गए। ओवीडी-इन्फो राइट्स मॉनिटर ने कहा कि पुलिस ने रूस के 53 शहरों में 1,667 से कम लोगों को हिरासत में लिया था।सिर्फ मास्को में छह सौ लोगों को गिरफ्तार किया गया। यूक्रेन के हजारों लोग देश पर रूसी आक्रमण के बाद पलायन कर, सुरक्षित स्थान की तलाश में पश्चिमी सीमा से लगे देशों में प्रवेश कर रहे हैं। उल्लखनीय है कि यूक्रेन की राजधानी कीव और अन्य शहरों पर रूस ने दूसरे दिन भी हवाई हमले किए। कुछ बॉर्डर क्रॉसिंग पर कई किलोमीटर तक कारों की कतार लगी हुई है। पोलैंड, स्लोवाकिया, हंगरी, रोमानिया और मोलदोवा में अधिकारी उनकी अगवानी करने के लिए तैयार हैं। वे यूक्रेन के लोगों को आश्रय, भोजन और कानूनी मदद उपलब्ध करा रहे हैं। उन्होंने सीमा पर होने वाली सामान्य प्रक्रिया में भी ढील दे दी है। कोविड जांच कराने से भी छूट दी गई है। मेदयका, पोलैंड में बड़े बॉर्डर क्रॉसिंग पर यूक्रेन वासी पैदल और कार तथा ट्रेन से पहुंचे। पोलिश अधिकारियों और स्वयंसेवियों ने भोजन और गर्म पेय पदार्थ के साथ उनका स्वागत किया। स्लोवाकिया की पुलिस ने कहा कि उसकी सीमा पर पहुंच रहे ज्यादातर लोग बच्चों के साथ महिलाएं हैं, क्योंकि यूक्रेन ने 18 से 60 साल की आयु के पुरुषों के देश छोड़ने पर रोक लगा दी है। इतालवी प्रधानमंत्री मारियो द्राघी ने कहा, ''यह कल्पना की जा सकती है कि भारी संख्या में शरणार्थी पड़ोसी यूरोपीय देशों की ओर आएंगे। संयुक्त राष्ट्र की शरणार्थी एजेंसी यूएनएचसीआर (संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायुक्त) ने यह अनुमान किया है कि एक लाख से अधिक लोगों ने यूक्रेन में अपना घरबार छोड़ दिया है और स्थिति विकराल होने पर 40 लाख लोग अन्य देशों में पलायन कर सकते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

राहुल गांधी का दलबदलुओं पर बड़ा बयान, कहा-ऐसे लोग भाजपा को गिफ्ट कर दो

देवभूमि द्वारका ।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने आज दलबदलुओं को लेकर बड़ा बयान दिया है। राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस से भाजपा जितने नेता चाहे ले जाने दो और उसके बाद कुछ ऐसे लोगों का एक पैकेज बनाकर भाजपा को गिफ्ट कर दो। यह कोई चुनावी समस्या नहीं है, हम यह चुनाव जीत चुके हैं। समय यह है कि आप उसे मानने को तैयार नहीं है। आप लोग यहां लड़ते हो, इसलिए मोदी के खिलाफ आत्मविश्वास कम है। गुजरात विधानसभा से पूर्व भगवान श्रीकृष्ण की नगर देवभूमि द्वारका में आयोजित कांग्रेस की तीन दिवसीय चिंतन शिबिर को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि जब कभी भी मैं गुजरात आता हूं मुझे अच्छा लगता है और कुछ सीखने को मिलता है। गुजरात कांग्रेस यूनिक तरीके से काम करती है। कांग्रेस को विचारधारा और दिशा गुजरात ने दी है। नेहरू, सरदार पटेल और गांधी जी ने मार्गदर्शन दिया है। उन्होंने कहा कि मेरे परदादा नेहरू ने गांधी जी के बारे में एक पत्र लिखा था जिसमें उन्होंने लिखा मैं सच्चाहूं और गांधी जी गलत हैं पत्र में यह भी लिखा था कि मेरा दिल कहता है गांधी जी सच्चे हैं राहुल गांधी ने कांग्रेस को पांडव और भाजपा कौरव बताया उन्हों ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण सत्य के साथ थे, जबकि उनकी सेना कौरवों के साथ थी आज हमारे पास कुछ नहीं है लेकिन उनकी सेना स्वरूप ईडी, सीबीआई और मीडिया इत्यादि हैं यदि आपको सत्य की लड़ाई लड़नी है तो केवल चार से पांच लोगों की जरूरत होगी चिंतन शिबिर में राहुल गांधी ने कांग्रेस के ऐसे नेताओं को भी आडे हाथ लिया जो एसी ऑफीस में बैठकर काम करते हैं उन्होंने कहा कि गुजरात कांग्रेस के कई नेता एसी ऑफीस में बैठकर काम करते हैं और ये सभी मेरी नजर में हैं जल्द ही ऐसा नेताओं को साइडलाइन किया जाएगा अगर ऐसे नेता अब भी नहीं सुधरे तो उनका पैकेज बनाकर भाजपा में धक्का मार देंगे कोरोना महामारी को लेकर राहुल गांधी ने सरकार पर प्रहार करते हुए कहा कि गुजरात में हजारों लोगों की मौत हुई है, इसके बावजूद गुजरात मॉडल की बड़ी बड़ी बातें की जाती हैं ऐसे गुजरात मॉडल में कोरोनाकाल के दौरान बेड और ऑक्सीजन सिलिंडर नहीं मिले उन्होंने कहा कि लघु और मध्यम उद्योग गुजरात की ताकत थी, जिसे नरेन्द्र मोदी ने तोड़ दी है आज 4-5 लोग ही गुजरात चला रहे हैं गुजरात की जनता कांग्रेस को वोट देती है, तब उन्हें यह समझाना जरूरी है कि कांग्रेस क्या करना और कैसे करना चाहती है कांग्रेस को वोट देनेवालों की भी हमें पहचान करनी होगी बता दें कि देवभूमि द्वारका में गुजरात कांग्रेस की तीन दिवसीय चिंतन शिबिर का प्रारंभ हुआ है शिबिर के दूसरे दिन राहुल गांधी ने भी इसमें शिरकत की शनिवार की सुबह राहुल गांधी के देवभूमि द्वारका पहुंचने पर उनका भव्य स्वागत किया गया राहुल गांधी ने भगवान द्वारकाधीश बाद माधव डाइनिंग होल पहुंच7 जहां गुजराती भोजन करने के चिंतन शिबिर में राज्यसभा सांसद शक्तिसिंह गोहिल, गुजरात कांग्रेस के प्रभारी डॉ.रघु शर्मा, प्रदेश प्रमुख जगदीश ठाकोर, विपक्ष के नेता सुखराम राठवा के अलावा भरतसिंह सोलंकी, हार्दिक पटेल, अमित चावडा, ।

संक्षिप्त समाचार

केंद्रीय मंत्री मांडविया बोले- भारत को सतर्क रहने की जरूरत, क्योंकि पड़ोसी देश अभी पोलियो मुक्त नहीं हुए

नई दिल्ली । पोलियो मुक्त होने के बावजूद हमें सतर्क रहने की आवश्यकता है यह बता केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने शनिवार को कही। उन्होंने कहा कि चूंकि पड़ोसी देश पोलियो से मुक्त नहीं हुए हैं, इसलिए भारत को सतर्क रहने की जरूरत है। उन्होंने रेखांकित किया कि घर-घर जाकर पोलियो की खुराक पिलाने का अभियान जारी रहेगा ताकि सुनिश्चित किया जा सके कि कोई भी बच्चा छूट ना जाए। स्वास्थ्य मंत्रालय में पांच साल से कम उम्र के बच्चों को पोलियो की दवा पिलाकर वर्ष 2022 के पोलियो खुराक पिलाने के अभियान की शुरुआत करते हुए मंत्री ने कहा कि पांच साल से कम उम्र के करीब 15 करोड़ बच्चों को आने वाले महीनों में पोलियो रोधी टीके दिए जाएंगे। उन्होंने बताया, 'पोलियो के खिलाफ भारत की रणनीति देश की निवारण योग्य बीमारियों के खिलाफ टीकाकरण के संबंध में स्वास्थ्य नीति की सफल गाथा है। हमें सतर्क बने रहने की जरूरत है ताकि सुनिश्चित किया जा सके कि पांच साल से कम उम्र के सभी बच्चों को पोलियों की खुराक मिल जाये।'

जम्मू में आयोजित शिविर में 30 से ज्यादा स्वयंसेवकों ने किया रक्तदान

जम्मू । एनएसएस यूनिट और रेड रिबन क्लब ऑफ गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ एजुकेशन (जीसीओई) ने जम्मू विश्वविद्यालय रक्त दाताओं और जम्मू मेडिकल कॉलेज तथा अस्पताल के सहयोग से आज कॉलेज परिसर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया। शिविर का उद्घाटन कॉलेज की प्राचार्य डॉ कुलविंदर कौर ने किया। डॉ कुलविंदर कौर ने इस नेक काम के लिए एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ शुभ्रा जामवाल और रेड रिबन क्लब की संयोजक प्रो राधिका महाजन और उनकी टीम के सदस्यों के प्रयासों की सराहना की। इस अवसर पर जम्मू नगर निगम की स्वास्थ्य अधिकारी डॉ संजोगिता सूडान मुख्य अतिथि थीं। गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज जम्मू की एक टीम डॉ साल्वे शर्मा, मोनिका कुंडल, सविता देवी, सोनू शर्मा ने प्रक्रिया को सुगम बनाया। इस रक्तदान शिविर में स्टाफ सदस्यों सहित लगभग 30 स्वयंसेवकों ने रक्तदान किया। इस अवसर पर प्राचार्य ने कहा जनसंख्या में वृद्धि और अधिक उन्नत चिकित्सा और शल्य चिकित्सा प्रक्रियाओं के विकास के साथ, रक्त की आवश्यकता लगातार बढ़ रही है। प्राचार्य ने कहा केवल स्वैच्छिक रक्तदाता ही जरूरतमंद लोगों के जीवन को बचाने के लिए रक्त की पर्याप्त आपूर्ति बनाए रखने में मदद कर सकते हैं। वे सुरक्षित रक्त के स्रोत भी हैं। कुछ छात्र पहली बार दान देने वाले थे और उन्होंने अपने दोस्तों को भविष्य में इस नेक कार्य में भाग लेने के लिए पेरित करने का संकल्प लिया।

भारत-नेपाल सीमा पर करोड़ों की चरस बरामद, महिला समेत 2 तस्कर गिरफ्तार

बेतिया । भारत-नेपाल सीमा पर बिहार के पश्चिम चंपारण जिले के सिकटा थाना क्षेत्र से पुलिस और सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) ने छापेमारी कर भारी मात्रा में चरस की खेप बरामद की है। इस मामले में एक महिला सहित 2 तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया बलिरामपुर गांव से 13 किलोग्राम से ज्यादा मूल्य की नेपाली चरस जब्त करने में सफलता मिली है। सिकटा एसएसबी के डिप्टी कमांडेंट सतीश कुमार गुप्ता को सूचना मिली कि एक महिला तस्कर भारी मात्रा में चरस की खेप लेकर नेपाल से भारतीय सीमा में प्रवेश कर गई है। सूचना मिलते ही एसएसबी ने सिकटा पुलिस को सूचना देते हुए एक टीम का गठन किया। प्रभारी थाना प्रभारी बेचू राम के नेतृत्व में पुलिस बल ने बरदही गांव से दक्षिण छठिया घाट के इर्द-गिर्द नाकेबंदी कर तलाशी अभियान शुरू किया।इसी दौरान एक बाइक पर सवार होकर एक महिला व पुरूष जा रहे थे, जिन्हे रोकने की कोशिश की गई तो वे भागने लगे। पुलिस ने पीछाकर दोनो को बलीरामपुर गांव के नजदीक पकड़ लिया। पकड़ने के बाद ली गई तलाशी के क्रम में बैग से तेरह किलो आठ सौ ग्राम नेपाली चरस जब्त की गई। सभी चरस वाटरप्रूफ पॉकेट में रखे गए थे। चार सौ ग्राम के 24 पॉकेट और दो सौ ग्राम के 21 पॉकेट चरस निकला। गुप्ता ने बताया गिरफ्तार तस्करों की पहचान चनपटिया थाना के बरवाचाप गांव निवासी दिलीप साह व साठी थाना के सिंहपुर- बसंतपुर गांव की किरण देवी के रूप में हुई है। जब्त चरस का अंतरराष्ट्रीय कीमत रीब तीन करोड़ रुपए आंकी गई है।

रुस-यूक्रेन की जंग में भारत को लगेगी एक लाख करोड़ की चपत

नई दिल्ली । युद्ध यानी नुकसान ही नुकसान है। मानवीय से लेकर आर्थिक तबाही जैसे हर तरह के संकट लेकर युद्ध आता है। लड़ने वाले देशों के साथ-साथ उनसे जुड़े देश भी भारी नुकसान उठाते हैं। इनदिनों रूस और यूक्रेन लड़ रहे हैं, लेकिन हजारों किमी दूर स्थित हमारे देश को भी भारी नुकसान उठाना होगा। युद्ध की वजह से क्रूड ऑयल यानी कच्चे तेल का दाम तेजी से बढ़कर 100 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। इसकारण भारत को करीब एक लाख करोड़ रुपये तक का चपत लगेगी। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की अपनी एक रिपोर्ट में यह बात कही है। रिपोर्ट के मुताबिक, युद्ध खिंचा, जब अगले वित्त वर्ष में सरकार के राजस्व में 95 हजार करोड़ से एक लाख करोड़ रुपये तक कमी आ सकती है। साथ ही घरेलू महंगाई भी बढ़ेगी। क्योंकि सभी वस्तुओं व उत्पादों की कीमतों पर असर होगा। शोध कंपनी दावा है, इस संकट में भारत को एशिया में सर्वाधिक नुकसान होगा। एसबीआई के समूह प्रमुख आर्थिक सलाहकार सौम्यकांति घोष की रिपोर्ट के अनुसार, नवंबर 2021 से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत बढ़ रही है। हालांकि भारत में सरकार ने इस काबू रखा है।अगर कीमत 100 से 110 डॉलर की सीमा में रहती है,तब वैट के ढांचे के अनुसार, पेट्रोल-डीजल की कीमत मौजूदा दर से 9 से 14 रुपये प्रति लीटर अधिक होनी चाहिए। सरकार उत्पाद कर घटा कीमत बढ़ने से रोकती है, तब हर महीने 8,000 करोड़ रुपये के राजस्व का नुकसान होगा।अगले वित्त वर्ष में पेट्रोल-डीजल की मांग 8 से 10 प्रतिशत बढ़ती है,,तब पूरे वर्ष में नुकसान एक लाख करोड़ रुपये तक पहुंचेगा। ये कीमतें महंगाई पर सीधा असर डालेंगी। अप्रैल 2021 में 63.4 डॉलर से तेल की कीमतें जनवरी 2022 में 84.67 डॉलर तक पहुंच गईं, यानी करीब 33.5 फीसदी वृद्धि हुई। रूस पर प्रतिबंधों से भारत से निर्यात होने वाली चाय और अन्य नियमित उत्पादों पर भी असर पड़ सकता है।

भाजपा का आरोप, मुख्यमंत्री ठाकरे नवाब मलिक से इस्तीफा क्यों नहीं ले रहे

मुंबई ।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की महाराष्ट्र इकाई ने मंत्री नवाब मलिक की गिरफ्तारी को लेकर राज्य की महा विकास अघाड़ी (एमवीए) सरकार पर निशाना साधकर सवाल किया कि मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे उन्हें पद छोड़ने के लिए क्यों नहीं कह रहे हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष चंद्रकांत पाटिल ने कहा कि इससे पहले भी आरोपों का सामना कर रहे एमवीए सरकार के कुछ मंत्रियों ने अपने पद से इस्तीफा दिया था, इसकारण नबाव मलिक को भी परंपरा का पालन कर मंत्री पद से इस्तीफा देना चाहिए। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पाटिल ने कहा कि नवाब मलिक पर धनशोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार किया गया है। यदि कोई सरकारी कर्मचारी आपराधिक आरोपों का सामना करता है,तब उस गिरफ्तार किया जाता है, उस व्यक्ति को न केवल निलंबित किया जाता है, बल्कि वह अपना पद भी खो देता है। भाजपा नेता ने कहा कि मलिक पर भी यहीं नियम लागू होना चाहिए और मुख्यमंत्री उनका इस्तीफा क्यों नहीं मांग रहे हैं? उन्होंने कहा कि मलिक का इस्तीफा न लेकर राज्य की एमवीए सरकार एक आरोपी को बचा रही है और भाजपा इस कभी बर्दाश्त नहीं करेगी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने महाराष्ट्र के अल्पसंख्यक कार्य मंत्री नवाब मलिक को धनशोधन के एक मामले की जांच के सिलसिले में बुधवार को गिरफ्तार किया था। इसके बाद पीएमएलए अदालत ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के वरिष्ठ नेता नवाब मलिक को तीन मार्च तक के लिए ईडी की हिरासत में भेज दिया था। ईडी का कहना है कि यह जांच, भगौड़े गैंगस्टर दाऊद इब्राहिम, उसके सहयोगियों और मुंबई अंडरवर्ल्ड की गतिविधियों से जुड़ी धन शोधन की जांच से संबंधित है। नवाब मलिक को शुक्रवार को पेट में दर्द होने की शिकायत के बाद मुंबई के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

दिल्ली में कोरोना संबंधी पाबंदियां हटने से कारोबारी खुश

नई दिल्ली । कोरोना के कारण लगी पाबंदियां हटाने के दिल्ली सरकार के फैसले के बाद दिल्ली के कई बाजार संघों को उम्मीद बंधी है कि उनका व्यापार फिर पटरी पर आ जाएगा। उप राज्यपाल अनिल बैजल की अध्यक्षता वाले दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) ने दिल्ली में रात्रिकालीन कर्फ्यू सहित कोरोना संबंधी सभी पाबंदियां सोमवार से हटाने का फैसला किया था। मास्क नहीं पहनने पर लगने वाला जुर्माना दो हजार रुपये से कम कर 500 रुपये कर दिया गया था। बैठक में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल भी शामिल हुए थे। मुख्यमंत्री ने कहा था कि दिल्ली के स्कूलों में हाइब्रिड' माध्यम (ऑनलाइन और ऑफलाइन) से पढ़ाई नहीं होगी और सभी स्कूल एक अप्रैल से पूरी तरह खुलने वाले है। सरोजिनी नगर मिनी मार्केट कारोबारी संघ के अध्यक्ष अशोक रंधावा ने कहा कि रात्रिकालीन कर्फ्यू हटाया गया, जो सबसे बड़ी राहत की बात है। उन्होंने कहा, रात का कर्फ्यू हटने से हमें कारोबार के लिए और समय मिलेगा। साप्ताहिक दिनों में ज्यादातर ग्राहक अपने दफ्तर के बाद खरीदारी करने आते हैं। पाबंदियों के वक्त बाजार रात आठ बजे बंद हो जाते थे और लोग खरीदारी करे बगैर लौट जाते थे। जनपथ बाजार कारोबारी संघ के सचिव टोनी चावला ने कहा, ''जनपथ बाजार में पर्यटक आते हैं और अब राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की आवाजाही से हमारे व्यवसाय फिर पटरी पर आ जाएंगे।'' कमला नगर बाजार कारोबारी संघ के अध्यक्ष नितिन गुप्ता ने भी सरकार के कदम का स्वागत किया।

शिक्षा मंत्रालय की यूक्रेन में फंसे भारतीय छात्रों से विदेश मंत्रालय-दूतावास के निर्देशों का पालन करने की अपील

नई दिल्ली । यूक्रेन संकट में फंसे भारतीय छात्रों से देश के शिक्षा मंत्रालय ने विदेश मंत्रालय तथा भारतीय दूतावास द्वारा जारी सभी दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की है। उसने छात्रों को आश्वस्त भी किया कि सरकार उन्हें यूक्रेन से वापस लाने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। शिक्षा मंत्रालय ने ट्वीट किया, 'भारत सरकार यूक्रेन से हमारे छात्रों को वापस लाने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। हम अपने छात्रों से विदेश मंत्रालय और भारतीय दूतावास द्वारा जारी सभी परामर्शों और दिशा निर्देशों का पालन करने की अपील करते हैं।' रूस के यूक्रेन पर हमला करने के तीसरे दिन शनिवार को करीब 16,000 भारतीय वहां फंसे हुए हैं, जिनमें से ज्यादातर छात्र हैं। कई छात्र खारकीव और कीव में चिकित्सा की पढ़ाई कर रहे हैं। इनमें से करीब 2,500 छात्र गुजरात के और 2,320 केरल के हैं।

ईसीजीसी ने रूस के लिए पोत लदान पर कवरेज वापस लिया, निर्यातक सकते में

नई दिल्ली ।

भारतीय निर्यात क्रेडिट गारंटी निगम (ईसीजीसी) ने रूस के लिए माल लदान पर कवरेज 25 फरवरी से वापस लेने का फैसला किया है। उद्योग निकाय फीयो ने कहा कि यह निर्यातकों के लिए एक बड़ा झटका है। रूस और यूक्रेन के बीच जारी संघर्ष के बीच ईसीजीसी ने कहा, निकट अवधि के वाणिज्यिक दृष्टिकोण के आधार पर, अल्पकालिक और मध्यम से दीर्घावधि के तहत रूस के जोखिम वर्गीकरण को संशोधित करने का निर्णय लिया गया है जो 25 फरवरी से प्रभाव में आएगा।'' रूस के लिए अपनी हामीदार नीति में संशोधन करते हुए सरकारी स्वामित्व वाले निगम ने उसे पहले की 'ओपन कवर' श्रेणी से हटाकर 'सीमित कवर श्रेणी (आरसीसी-1) में रख दिया है। ओपन कवर श्रेणियां पॉलिसीधारकों को अधिक उदार आधार पर कवर प्राप्त करने में सक्षम बनाती हैं। भारतीय निर्यात संगठन परिसंघ (फियो) के महानिदेशक अजय सहाय ने कहा कि ईसीजीसी ने रूस के लिए माल लदान पर कवरेज अचानक ही वापस ले लिया और यह 25 फरवरी से प्रभाव में आ गया है। उन्होंने कहा, इस तरह की कार्रवाई निर्यातकों के लिए बहुत बड़ा झटका है, क्योंकि विभिन्न भारतीय बंदरगाहों पर माल लदान के लिए खड़े मालवाहक जहाजों को ईसीजीसी के तहत कवर नहीं होगा। हैंड टूल्स एसोसिएशन के अध्यक्ष एस सी रल्हन ने कहा कि रूस के लिए निर्यात लदान को अब ईसीजीसी कवर नहीं करेगा जो निर्यातक समुदाय के लिए झटका है। इस बीच शिपिंग लाइनर्स ने रूस और यूक्रेन के बीच संघर्ष के मद्देनजर दोनों देशों के लिए निर्यात कार्गो की बुकिंग बंद कर दी है। अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। पश्चिम बंगाल कस्टम हाउस एजेंट्स सोसाइटी के अध्यक्ष सुजीत चक्रवर्ती ने कहा, ''भूराजनीतिक अस्थिरता के कारण कई शिपिंग लाइनर्स ने रूस के लिए कंटेनरों की आपूर्ति बंद कर दी और वे बुकिंग भी नहीं ले रहे। भारत के लिए रूस 25वां सबसे बड़ा कारोबारी साझेदार है। चालू वित्त वर्ष के पहले नौ महीने रूस के लिए 2.5 अरब डॉलर का निर्यात और 6.9 अरब डॉलर का आयात रहा। 2021 में भारत और रूस के बीच द्विपक्षीय कारोबार 11.9 अरब डॉलर का रहा

डाक मतपत्र के 'फर्जी' वीडियो के लिए कांग्रेस मांगे क्षमाः बीजेपी

देहरादून ।

विधानसभा चुनाव के बीच भाजपा ने शनिवार को कांग्रेस पर डाक मतपत्र से कथित तौर पर छेड़छाड़ के 'फर्जी' वीडियो को लेकर आरोप लगाते हुए सार्वजिनक तौर पर क्षमा की मांग की है। वीडियो में कथित तौर पर सेना की वर्दी पहना व्यक्ति डाक मतपत्र के साथ छेड़छाड़ करता दिख रहा है। उत्तराखंड भाजपा के मीडिया प्रभारी मानवीर चौहान ने यहां जारी बयान में कहा, 'कुमाऊं रेजीमेंट के अधिकारी ने निर्वाचन आयोग को भेजे जवाब में कहा है कि वीडियो पिथौरागढ़ में तैनात सेना की किसी टुकड़ी का नहीं है।' उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग को कुमाऊं रेजीमेंट द्वारा भेजे गए जवाब से स्पष्ट हो गया है कि कांग्रेस वीडियो को सेना की किसी यूनिट का बता सशस्त्र बलों का 'अपमान' कर रही है। उल्लेखनीय है कि पिथौरागढ़ की डीडीहाट विधानसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराते हुए आशंका जताई थी कि वीडियो उनके निर्वाचन क्षेत्र में तैनात किसी सेना यूनिट की है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हरीश रावत ने सबसे पहले इस कथित वीडियो को अपने ट्विटर और फेसबुक पेज के जरिये साझा किया था। उत्तराखंड कांग्रेस इकाई के अध्यक्ष गणेश गोदियाल की अध्यक्षता में पार्टी के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी से मुलाकात कर वीडियो की जांच कराने की मांग की थी।

जनता का राशन हजम करने वालों का हिसाब हमारा बुलडोजर करता हैः सीएम योगी

अंबेडकरनगर ।

यूपी चल रही विधानसभा चुनाव की हलचल के बीच भारतीय जनता पार्टी राज्य में तीन मार्च को होने वाले छठे चरण के मतदान वाले क्षेत्रों में आपनी पूरी ताकत झोंक दी है। छठे चरण में तीन मार्च को दस जिलों के 57 विधानसभा क्षेत्रों में मतदान होना है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का शनिवार को भी तूफानी दौरा है। सबसे पहले वह अम्बेडकर नगर में दो जनसभा करने पहुंचे। उन्होंने कहा कि राम मनोहर लोहिया कहते थे कि एक सच्चे समाजवादी को संपत्ति और संतसि से दूर रहना चाहिए, लेकिन ये जो कथित समाजवादी है, इनका नारा है सबका साथ पर सैफई खानदान का विकास। उन्होंने अपने शासनकाल में सिर्फ़ अराजकता ही फैलाई है।

सीएम योगी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2022 में तीन मार्च को होने वाले छठे चरण के मतदान वाले क्षेत्रों में अपनी ताकत झोंक दी है। अब तक चार चरणों का चुनाव हुआ है और कल 5 वें चरण का चुनाव समाप्त होगा। मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं कि 5वें चरण के चुनाव के बाद बीजेपी पूर्ण बहुमत से आगे रहेगी और जब चुनाव समाप्त होगा तब फिर एक बार बीजेपी 300 पार के लक्ष्य को प्राप्त करेगी। रहेगी और जब चुनाव समाप्त होगा तब फिर एक बार बीजेपी 300 पार के लक्ष्य को प्राप्त करेगी। सीएम योगी ने कहा कि जो लोग जनता का राशन खा जाते थे। हमारा बुलडोजर उनका हिसाब करता है। बुलडोजर विकास तो करता ही है साथ ही अन्याय करने वालों को दुरुस्त भी करता है।

ओला कैब की चार्जिंग नीतियों को लेकर केस करने वाले व्यक्ति को मिला 15 हजार का मुआवजा

मुंबई, ।

मुंबई में ओला कैब की चार्जिंग नीतियों को लेकर केस करने वाले एक व्यक्ति को 15 हजार का मुआवजा मिला है. दरअसल मुंबई के एक वकील 34 वर्षीय श्रेयंस ममानिया ने पिछले साल 19 जून को अपने परिवार के साथ कांदिवली से कालाचौकी की सवारी की थी. जब उन्होंने यात्रा की बुकिंग की, तो ऐप ने किराया 372 रुपये दिखाया. हालांकि, जब ममानिया और उनका परिवार अपने गंतव्य पर पहुंचे, तो कैब चालक ने उन्हें बताया कि उन्हें किराया 434 रुपये चुकाना होगा. ममानिया ने कहा कि ÷किराया 62 रुपये बढ़ गया. मैंने ड्राइवर से पूछा कि यह कैसे हुआ, और उसने कहा ऐसी चीजें होती हैं, आप इसे बड़ा मुद्दा क्यों बना रहे हैं. इससे मुझे गुस्सा आया. मैंने कस्टमर केयर पर कॉल की, लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली. ड्राइवर ने मुझसे विनती की कि अगर मैं उसे पूरी राशि का भुगतान नहीं करता, तो उससे चार्ज लिया जाएगा. जिसके बाद मैंने 434 रुपये का भुगतान किया और बाद में ओला कस्टमर केयर से संपर्क करने की कोशिश की लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं हुई. आखिरकार, मैंने उपभोक्ता फोरम से संपर्क करने का फैसला किया. मेरे परिवार के सदस्यों ने मुझे कहा कि मैं सिर्फ 62 रुपये के लिए उपभोक्ता फोरम में शिकायत क्यों दर्ज कर रहा हूं, उन्होंने कहा कि कि यह कोई बड़ी बात नहीं थी.÷ लेकिन ममानिया ने किसी की नहीं सुनी और उन्होंने 17 अगस्त को शिकायत दर्ज करने का फैसला किया. फोरम ने 2 सितंबर को इसे स्वीकार कर लिया. 16 दिसंबर को कार्यवाही हुई. ममानिया ने मुआवजे के तौर पर चार लाख रुपये की मांग की थी हालांकि, फोरम ने कहा कि यह अनुपात से बाहर था. मगर फोरम ने सहमति व्यक्त की कि ममानिया को मुआवजा मिलना चाहिए और ओला कैब्स को आदेश के 30 दिनों के भीतर मुआवजे के रूप में 10,000 रुपये और शिकायत की लागत के रूप में 5,000 रुपये का भुगतान करने का आदेश दिया. शिकायतकर्ता वकील ने कहा कि कई लोग कहेंगे कि यह सिर्फ 62 रुपये था. लेकिन मैं यह सुनिश्चित करना चाहता था कि ओला इसे समझे और अपने सॉफ्टवेयर में बदलाव करे. अगर रोजाना उसके 100 ग्राहकों के साथ भी ऐसा होता है, तो ओला को इससे 5,000 रुपये मिलते हैं, संभव है कि यह संख्या अधिक हो. हमें इसके खिलाफ लड़ना चाहिए.

जामताड़ा में बराकर नदी में डूबी नाव, महिला का शव बरामद 13 लोग लापता

रांची । झारखंड के जामताड़ा जिले की बराकर नदी में हुए नाव हादसे में एक दर्जन से अधिक लोग लापता हो गए हैं। पटना से एनडीआरएफ की टीम जामताड़ा पहुंची और लापता लोगों की तलाश शुरू की गई है। गुरुवार शाम को हुए नाव हादसे के दो दिन बाद आज शनिवार को एक महिला का शव बरामद किया गया है। जूता, चप्पल व महिला बैग भी बरामद किया गया है। एक बाइक बरामद की गई है। डूबी हुई नाव बाहर निकाल ली गई है। एंबुलेंस से महिला का शव ले जाया जा रहा था। इस दौरान आक्रोशित लोगों ने एंबुलेंस पर पथराव किया। काफी मशक्कत के बाद शव को सदर अस्पताल भेजा गया। जामताड़ा नाव हादसे में लापता 14 लोगों में शनिवार को एक महिला का शव बरामद किया गया है। एक बाइक बरामद की गयी है। डूबी हुई नाव बाहर निकाल ली गयी है। मृत महिला का नाम स्लेहा खातून (पति-रसीद अंसारी, श्यामपुर, जामताड़ा) बताया जा रहा है। देवघर और रांची की गोताखोर टीम नदी में डूबे लोगों की खोजबीन में शुक्रवार सुबह से ही जुटी थी। आज पटना से एनडीआरएफ की टीम लापता लोगों को खोजने के लिए पहुंची। जामताड़ा जिले में गुरुवार की शाम अचानक आये आंधी-तूफान के कारण बीरबेंदिया की ओर से वीरगांव-श्यामपुर गांव की ओर आ रही एक नाव के पलट जाने से उस पर सवार 19 लोग डूब गये थे। 8 बाइक भी डूब गयी थी। 19 में से पांच लोग तो तैरकर किसी तरह बाहर आ गये थे, लेकिन 14 लोग लापता थे। इनमें एक महिला का शव बरामद कर लिया गया है। काफी मशक्कत के बाद महिला के शव को सदर अस्पताल भेजा गया।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

केंद्रीय रेल राज्यमंत्री ने उधना-सूरत स्टेशनों पर विभिन्न यात्री सुविधाओं का उद्घाटन किया

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत,केंद्रीय रेल एवं कपड़ा राज्यमंत्री दर्शना जरदोश द्वारा उधना स्टेशन पर आयोजित एक समारोह में आज उधना और सूरत स्टेशनों पर विभिन्न यात्री सुविधाओं का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर सांसद सी. आर. पाटिल एवं सांसद प्रभुभाई वसावा, पश्चिम रेलवे के मुंबई सेंट्रल मंडल के मंडल रेल प्रबंधक जी. वी. एल. सत्य कुमार सहित अन्य विशिष्ट अतिथि और वरिष्ठ रेलवे अधिकारी उपस्थित थे। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सुमित ठाकुर द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार उधना और सूरत स्टेशनों पर कई सुविधाओं की शुरुआत की गई। उधना स्टेशन पर रेल एवं कपड़ा राज्यिमंत्री दर्शना जरदोश ने नवनिर्मित प्लेटफार्म क्रमांक 4/5, प्लेटफार्म नंबर 1 पर नए एस्केलेटर और विस्तारित दक्षिणी पैदल ऊपरी पुल का उद्घाटन किया। सूरत स्टेशन पर जरदोश ने नए विस्तारित दक्षिणी पैदल ऊपरी पुल, प्लेटफॉर्म नंबर 4 पर नए एस्केलेटर और कोच गाइडेंस सिस्टम के साथ सीसीटीवी कैमरे तथा वेब लिंक के द्वारा गंगाधरा स्टेशन पर नए पार्सल टर्मिनल का भी उद्घाटन किया। जरदोश ने सूरत स्टेशन पर नए कवर शेड और सुधारीकृत प्लेटफॉर्म क्रमांक 4 को भी राष्ट्र को समर्पित किया। अपने संबोधन में रेल राज्यमंत्री ने सूरत क्षेत्र के लिए अपने दृष्टिकोण को साझा किया और रेलवे द्वारा क्षेत्र में लाए जा रहे नए और सकारात्मक परिवर्तनों का स्वागत किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि इन यात्री सुविधाओं से संरक्षा में बढ़ोत्तरी के साथ ही सीसीटीवी निगरानी से उनकी सुरक्षा में इजाफा होगा तथा सभी यात्रियों को आवागमन में आसानी होगी। एस्केलेटर जैसी सुविधाएं दिव्यांगजनों और वरिष्ठ नागरिकों की आवाजाही को सुगम बनाते हुए यात्रियों की संरक्षा सुनिश्चित करेंगी। जरदोश ने पिछली साल 4 सितंबर को न्यू उधना गुड्स शेड से पहली टेक्सटाइल एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया था। उसके बाद से पश्चिम रेलवे के मुंबई मंडल द्वारा 120 टेक्सटाइल एक्सप्रेस ट्रेनें चलाई जा चुकी हैं। समारोह के दौरान इस उपलब्धि को मनाने के लिए सौंवी टेक्सटाइल एक्सप्रेस का वीडियो दिखाया गया। ठाकुर ने बताया कि गंगाधरा स्टेशन पर नव विकसित पार्सल टर्मिनल स्थानीय व्यापार और उद्योग को प्रोत्साहित करेगा। सूरत देश के सबसे बड़े औद्योगिक क्षेत्रों में से एक है और यहां पार्सल और माल ढुलाई की बहुत बड़ी संभावनाएं हैं। बाजार सर्वेक्षण किए जाने के बाद गंगाधरा स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 1 को सामान्य लूप के रूप में परिवर्तित किया गया और पार्सल यातायात के लिए शुरू कर दिया गया है। पार्सल यातायात को देखते हुए यह नया टर्मिनल सूरत तथा चलथान टर्मिनलों पर अतिरिक्त दबाव को कम करने में सहायक होगा।

राहुल गांधी ने सीबीआई,ईडी की तुलना कौरवों के 100 भाइयों से की

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने गुजरात के द्वारका में कांग्रेस के चिंतन शिविर को संबोधित किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि गुजरात में मुझे हमेशा कुछ-न-कुछ सीखने को मिलता है, क्योंकि आप लोग बहुत ही अनोखे ढंग से काम करते हैं। उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी गुजरात से पैदा हुई है। उस वक्तहर प्रदेश में कांग्रेस पार्टी उठी थी। विचारधारा और

पार्टी की दिशा एक गुजराती ने दी थी। उसमें नेहरूजी, सरदार पटेल, सुभाषचंद्र बोस इत्यादि लोग थे। लेकिन पार्टी को दिशा महात्मा गांधी ने दिखाई थी। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपिता गांधी और बाकी के नेताओं में बहुत ज्यादा फर्क था। मेरे परदादा गांधी जी के साथ काम करते थे और मैंने उनकी एक चिट्ठी पढ़ी थी। नेहरू जी चिट्ठी में लिखते हैं कि एक मामले को लेकर मेरी गांधीजी के साथ बातचीत हुई है और मेरा मत कह रहा है कि इस मामले में गांधी जी गलत बोल रहे हैं, लेकिन मैं अंदर से जानता हूं कि मेरा दिमाग जो कह रहा है कि वहां गलत हैं और वहां मैं सही हूं लेकिन मैं जानता हूं कि वहां सही हैं और मैं गलत हूं। इसी बीच राहुल गांधी ने भगवान कृष्ण का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि जब लड़ाई हुई, तब भगवान कृष्ण ने बड़ी होशियारी के साथ सवाल पूछा कि तुम्हें सेना चाहिए या फिर कृष्ण चाहिए। यह कोई मामूली सवाल नहीं बल्कि बहुत ही गहरा सवाल है। इस सवाल के माध्यम से कृष्ण भगवान यह पूछ रहे थे कि तुम्हें सच्चाई की लड़ाई लड़नी है या फिर छूठ की। अगर सच्चाई की लड़ाई लड़नी है, तब सिर्फ 4-5 लोगों की जरूरत है और अगर छूठ की लड़ाई लड़नी है,तब सबकुछ उठाकर ले जाओ।

उन्होंने कौरवों के 100 भाईयों की तुलना सीबीआई, ईडी इत्यादि से की। उन्होंने कहा कि गुजरात हमें यह सिखाता है कि एक तरफ सत्ता, सीबीआई, ईडी, मीडिया, कौरव हो तो कुछ फर्क नहीं पड़ता है, क्योंकि वह माया है और दूसरी तरफ सच्चाई। उन्होंने गांधी जी की तस्वीर की तरफ ध्यान केंद्रित करते हुए कहा कि सच्चाई ऐसी होती है।

राहुल गांधी ने कहा कि करता कौन है और बोलता कौन है। इस पर कांग्रेस में डिस्कनेक्ट है। एक तरफ़ कांग्रेस में वहां लोग हैं, जो 24 घंटे लगे रहते हैं, लाठी खाते हैं। दूसरी तरफ वहां है जो एसी में बैठते हैं, मौज करते हैं और लंबे भाषण देते हैं। उन्होंने कहा कि गुजरात के लोगों को हमें कांग्रेस की लिस्ट दिखानी है कि एक तरफ काम के लोग हैं, ये लोग गुजरात को रास्त दिखा देने वाले है। दूसरी तरफ़ वे लोग हैं, जो परेशानी पैदा करते हैं।

15 लाख के कथित रिश्वत मामले में प.रे. के मुख्य प्रोजेक्टर डायरेक्टर समेत तीन गिरफ्तार

अहमदाबाद,केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने रु 15 लाख के कथित रिश्वत मामले में पश्चिम रेलवे के मुख्य प्रोजेक्ट डायरेक्टर समेत तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही सीबीआई ने अहमदाबाद, मुंबई और पटना में आरोपियों और उनसे जुड़े लोगों के घर पर सर्च कर महत्वपूर्ण दस्तावेज भी बरामद किए होने की जानकारी है। जानकारी के मुताबिक मुंबई स्थित प्राइवेट कंपनी के उप महाप्रबंधक ने आरोप लगाया था कि पश्चिम रेलवे के मुख्य प्रोजेक्ट डायरेक्टर ने अहमदाबाद में अपने कार्यकाल के दौरान रु 15 लाख की रिश्वत मांगी थी। गुजरात के वांकानेर में ट्रेक्शन सब स्टेशन (टीएसएस) लाइन बिछाने और नींव के लिए कंपनी की ओर से भरी गई निविदा कंपनी के पक्ष में पास कराने की एवज में रिश्वत की मांगी थी। रिश्वत की रकम हवाला के जरिए अहमदाबाद भेजी गई, जहां प्राइवेट कंपनी के कर्मचारी ने हासिल कर पश्चिम रेलवे के मुख्य प्रोजेक्ट डायरेक्टर तक पहुंचाई थी। फिलहाल सीबीआई ने पश्चिम रेलवे के मुख्य प्रोजेक्ट डायरेक्टर और दो अन्य लोगों को गिरफ्तार करने के साथ ही इनसे जुड़े लोगों के यहां सर्च किया, जिसमें कई महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद हुए हैं।

सुरत के लिबायंत पुलिस स्टेशन में दर्ज चोरी का मामला, भतीजा ही निकला चोर

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत शहर के लिंबायत इलाके में पिछले महीने की 11 तारीख को चोरी की घटना हुई थी, जिसमें पुलिस ने चंद दिनों में 19.45 लाख रुपये के मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया. इतना ही नहीं जमीन विवाद में खुलासा हुआ कि चोरी में सिर्फ भतीजा ही शामिल था। पुलिस जांच में भतीजा गिरफ्तार इसी दौरान रिटर्निंग हाउस में चोरी हो गई। लिंबायत पुलिस ने 19 लाख 45 हजार रुपये की चोरी की शिकायत दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है. इसी बीच एक पारिवारिक भूमि विवाद में पुलिस ने वादी के पुत्र प्रदीप उर्फ गोलूनूर पप्पूभाई सोनी द्वारा जेवरात व नकदी की

चोरी की जांच से बाहर आए आरोपी के पास से गोलू को गिरफ्तार कर सोने-चांदी के जेवर जब्त कर लिये.

पुलिस को पहले से ही चोरी का अंदेशा था और मौके पर मानव संसाधन व आसपास के लोगों से पूछताछ करने पर लाखों रुपये की चोरी की आशंका जताई गई है. पुलिस ने उपरोक्त सभी से पूछताछ की और आरोपी का पता लगाया। चोर हर तरफ से घर में घुसे और ताला क्षैतिज रूप से काट दिया गया। हालांकि, गिनती के कुछ ही दिनों में चोर पुलिस के हाथ लग गया और पुलिस सभी संदिग्धों को पकड़ने में सफल रही।